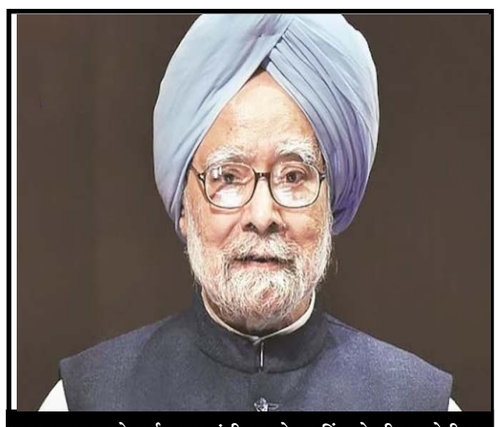

आज गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, कि नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सार्वजनिक संवाद व प्रधानमंत्री पद की गंभीरता को कम किया है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 27 दिनांक:31-05-2024 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में दस्तक दे चुका है और गुरुवार को पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों की ओर बढ़ गया है।

सातवें चरण के चुनाव का प्रचार खत्म... 8 राज्यों की 57 सीट सीटों पर 904 उम्मीदवार मैदान में

1 जून का तय होगी दिग्गजों का राजनीतिक भविष्य- पीएम मोदी, कंगना रनौत, टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी, पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के छह चरण के मतदान की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। वहीं सातवें और अंतिम चरण के चुनाव का प्रचार गुरुवार शाम समाप्त हो गया। सातवें दौर में केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और सात राज्यों की कुल 57 सीटों पर 1 जून को मतदान है। इन प्रदेशों से कुल 904 उम्मीदवार मैदान में हैं। जिन सीटों पर मतदान होना है, उनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अभिनेत्री कंगना रनौत, टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और भोजपुरी कलाकार पवन सिंह की भी सीटें शामिल हैं।

सातवें चरण में जिन सीटों पर मतदान होना है उनमें उत्तर प्रदेश और पंजाब की 13-13, पश्चिम बंगाल की नौ, बिहार की आठ, ओडिशा की छह, हिमाचल प्रदेश की चार और झारखंड की तीन सीटें शामिल है। इसके साथ ही चंडीगढ़ की एकमात्र सीट पर इसी चरण में मतदान होगा। 2019 में इन 57 में से 25 सीटें भाजपा ने जीती थीं। वहीं, टीएमसी के खाते में आठ सीटें गई थीं, जबकि कांग्रेस को सात सीटों पर जीत मिली थी। पिछले चुनाव में इन 57 सीटों पर कुल 65.29 प्रतिशत फीसदी वोट पड़े थे। सबसे ज्यादा 78.80 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ था। वहीं, सबसे कम 51.34 प्रतिशत मतदान बिहार में दर्ज किया गया था।

सबसे हॉट सीट वाराणसी

सातवें व अंतिम चरण के चुनाव में उत्तर प्रदेश की वाराणसी संसदीय क्षेत्र की सीट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में जानी जाती है। पीएम मोदी तीसरी बार भाजपा के प्रत्याशी के रूप में यहां से नामांकन किया हैं। कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को एक बार फिर चुनावी मैदान में उतारा है। बसपा भी अतहर जमाल लारी के रूप में अपना प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारी है। अपना चेहरा बनाया है। देखा जाये तो इस सीट पर भाजपा, बसपा और कांग्रेस चुनाव मैदान है। सभी पार्टियां मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरी दमखम लगाती दिखाई दी। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भी मतदाताओं लुभाने में इन पार्टियों द्वारा कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है। यदि वर्ष 2019 में उत्तर प्रदेश के वाराणसी लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों के वोटों पर गौर करें तो भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जबकि सपा और कांग्रेस की ओर क्रमशः शालिनी यादव और अजय राय ने ताल ठोकी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार रिकार्ड मतों से वाराणसी की संसदीय सीट से विजयी हुए थे। इस चुनाव में मोदी को 6,74,664 वोट मिले थे। वही सपा और कांग्रेस को क्रमशः 1,95,159 और 1,52,548 मिला था। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी संसदीय क्षेत्र में 57.13 प्रति किया गया था।

जम्मू में यूपी के 21 लोगों की मौत

लखनऊ (ईएमएस)। जम्मू-पूंछ राष्ट्रीय राजमार्ग (144ए) पर अखनूर के टूंगी मोड़ क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यात्रियों से भरी बस गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में अब तक 21 लोगों के मारे जाने और करीब 40 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि 20 को जीएमसी जम्मू रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक टूंगी मोड़ क्षेत्र में आज लगभग 12 बजे एक बस, जो हरियाणा के कुरूक्षेत्र से उत्तर प्रदेश और राजस्थान के श्रद्धालुओं को शिवखोरी, पौनी ले जा रही थी, दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में घायल हुए श्रद्धालुओं में अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, भरतपुर, लालपुर शामिल हैं। हाथरस जिलाधिकारी अर्चना वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया है कि जम्मू कश्मीर के अखनूर में हाथरस की बस खाई में पलटने की सूचना प्राप्त हुई है। जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोगों के मरने की आशंका जताई गई है। कृपया अपनी-अपने क्षेत्र से गई हुई बसों के बारे में जानकारी कर ले। जिला प्रशासन द्वारा घटना की स्थिति पर सतर्क दृष्टि बनाये रखते हुए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है, साथ ही आम लोगों की सहायता हेतु हेल्पलान नंबर- 05722227041 तथा 05722227042 जारी किये गये हैं। जिनके माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसे भाषण नहीं दिए

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, पंजाब के मतदाताओं से की अपील

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण 1 जून को होने जा रहे मतदान से पहले आज गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही एक बेहतर भविष्य को सुनिश्चित कर सकती है, जहां लोकतंत्र के साथ संविधान की रक्षा हो सकेगी। यहां उन्होंने मतदाताओं से विकास और समावेशी प्रगति के लिए मतदान करने और प्रेम, शांति, भाईचारे और सद्भाव को मौका देने की अपील की।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, कि नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सार्वजनिक संवाद व प्रधानमंत्री पद की गंभीरता को कम किया है। पंजाब के मतदाताओं को पत्र लिखते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सशस्त्र बलों पर अग्निवीर योजना थोपने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सोचती है कि देशभक्ति, शौर्य और सेवा का मूल्य महज चार साल है। यही बात उनके नकली राष्ट्रवाद को दर्शाती है। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा और कहा कि मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हो गए हैं, जिन्होंने सार्वजनिक संवाद एवं प्रधानमंत्री पद की गरिमा व गंभीरता को कम किया है। उन्होंने कहा कि अतीत में किसी अन्य प्रधानमंत्री ने समाज के किसी विशेष वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ऐसे घृणित, असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल कभी नहीं किया।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का कहना है कि चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने सर्वाधिक नफरत फैलाने वाले द्वेषपूर्ण भाषण दिए, जो पूरी तरह विभाजनकारी प्रकृति के रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले के अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के किसी खास वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के मकसद से इस तरह के द्वेषपूर्ण, असंसदीय और असभ्य शब्दों का प्रयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि कुछ गलत बयान मेरे लिए भी दिए हैं।

अरे वाह.....गर्मी होगी आउट मानसून हुआ इन

केरल पहुंचा मानसून झमाझम बारिश शुरु

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। इस प्रचंड गर्मी में कई लोगों की जान चली गई है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर सहित पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में बारिश के होने से मौसम ने अचानक से करवट ली। लेकिन अब चिलचिलाती गर्मी के बीच राहत की फुहार लेकर एक खबर आई है। दक्षिण पश्चिम मानसून ने गुरुवार को पूर्वानुमान से एक दिन पहले ही केरल और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में दस्तक दे दी।

मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि चक्रवात ने मानसून के प्रवाह को बंगाल की खाड़ी की ओर खींच लिया, जो पूर्वोत्तर में समय से पहले मानसून के दस्तक देने का एक कारण हो सकता है। चक्रवाती तूफान 'रेमल' रविवार को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तट से टकराया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में दस्तक दे चुका है और गुरुवार को पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों की ओर बढ़ गया है।

31 मई को दस्तक देने का था अनुमान

इसके पहले 15 को मौसम विभाग ने मानसून के 31 मई को केरल में दस्तक देने की घोषणा की थी। केरल में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप मई में अतिरिक्त बारिश दर्ज की गई है। केरल में मानसून के आगमन की सामान्य तिथि एक जून और अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर व असम में मानसून के दस्तक देने की तिथि 5 जून है।

आईएमडी के ताजा अपडेट के मुताबिक, 24 घंटों में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, सिक्किम और पूर्वोत्तर में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, कर्नाटक के कुछ हिस्सों, तमिलनाडु और गोवा में हल्की बारिश का अनुमान है। इसके अलावा, राजस्थान के लोगों को भी बारिश के होने से भीषण गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

दिल्ली में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने दिन में हल्की बारिश होने और धूल भरी आंधी चलने का अनुमान भी जताया है।

केरल के साथ पूर्वोत्तर राज्यों में मानसून की दस्तक

प्रचंड गर्मी के बीच मॉनसून का इंतजार कर रहे लोगों के अच्छी खबर है। समय से पहले ही मॉनसून ने केरल में दस्तक दे दी है। खास बात है कि इस बार मौसम का दुर्लभ नजारा देखने को मिलेगा है, क्योंकि बताया जा रहा है कि मॉनसून केरल और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में एक साथ प्रवेश करेगा है।

खास बात है कि आमतौर पर केरल में मॉनसून 1 जून तक पहुंचता है। जबकि, 5 जून तक इसका प्रवेश पूर्वोत्तर के अधिकांश राज्यों में होता है। कहा जा रहा है कि इस बार दोनों क्षेत्रों में एक साथ मॉनसून आने की वजह बीते सप्ताह बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात रेमल हो सकता है।

यूपी में प्रचंड और जानलेवा गर्मी का प्रकोप जारी, मचा हाहाकार

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में प्रचंड और जानलेवा गर्मी का प्रकोप जारी है। तापमान रोज अपना पुराना रिकार्ड तोड़ने का लालायित दिख रहा है। इस बीच बारिश के लिए तरसते उत्तर प्रदेश में मॉनसून की एंट्री की संभावित तारीख सामने आ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक केरल में 31 मई या एक जून को मॉनसून की एंट्री हो जाएगी। इसके बाद जल्द ही वह उत्तर प्रदेश के दक्षिणी इलाके से राज्य के अन्य हिस्सों में भी दस्तक देगी।

यूपी में लू से अब तक 23 लोगों की मौत हो गई है। भीषण गर्मी की वजह से जनजीवन के साथ वन्य जीवन भी प्रभावित हो रहा है। बांदा में गर्मी की वजह से पानी में मछलियों के मरने की खबर सामने आई है। यूपी के कई जिलों में पारा 45 से 48 डिग्री के पार जा पहुंचा है। सबसे ज्यादा गर्मी झांसी में पड़ रही है, जहां तापमान 49 डिग्री के साथ अर्द्धशतक लगाने के करीब है। वहीं मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में 18 से 20 जून के बीच मॉनसून की एंट्री हो सकती है। अनुमान है कि 20 जून तो दक्षिणी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मॉनसून प्रवेश करेगा। इस दौरान वाराणसी, इलाहाबाद, गोरखपुर, देवरिया और आसपास के इलाकों में बारिश हो सकती है। अपने दूसरे चरण में 25 जून को मॉनसून दक्षिणी पश्चिमी इलाके इटावा, हरदोई, बरेली, बदायूं और इसके आसपास के इलाकों में प्रवेश करेगा। इस दौरान यहां बरिश होने के बाद गर्मी से राहत मिल सकती है। दिल्ली-एनसीआर के पास-पड़ोस के इलाके में 30 जून के आसपास बारिश होने की संभावना जताई गई है।

भारत में हो रही अंटार्कटिक संसद की बैठक,12देशों ने इस कारण की थी संधि

नई दिल्ली। केरल के कोच्चि में 46वीं अंटार्कटिक संसद चल रही है। भारत की मेजबानी में ये संसद 20 मई से आज 30 मई तक चलेगी, जिसमें 56 देश हिस्सा ले रहे हैं। दरअसल, ये सभी देश अंटार्कटिक में वर्चस्व की लड़ाई के खात्मे के लिए एकजुट हुए हैं। भारत में 46वीं अंटार्कटिक संसद की बैठक चल रही है। भारत की मेजबानी में ये संसद आज 30 मई तक चलेगी जिसमें 56 देश हिस्सा ले रहे हैं। दरअसल ये सभी देश अंटार्कटिक में वर्चस्व की लड़ाई के खात्मे के लिए एकजुट हुए हैं। सभी देश अंटार्कटिक में क्लाइमेट चेंज और क्षेत्र को बचाने के लिए कदम उठाने के बारे में वार्ता करेंगे।

दरअसल, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अंटार्कटिक महाद्वीप पर कई देशों ने अपना दावा ठोक दिया था। 1950 के करीब ब्रिटेन, अर्जेंटीना, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, नार्वे और चिली ने अंटार्कटिका के अलग-अलग हिस्सों पर अपना दावा ठोकना शुरू कर दिया। इसके बाद अंटार्कटिका को लेकर दुनिया एक और विश्वयुद्ध नहीं चाहता था, जिसके लिए अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे 12 देशों ने अंटार्कटिक संधि पर हस्ताक्षर किए। सबसे मुख्य ट्रीटी इस बात को लेकर थी कि यहां कोई भी देश सैन्य प्रशिक्षण और अपना बेस नहीं बना सकता।

यहां किसी भी प्रकार का न्यूक्लियर टेस्ट नहीं हो सकता और ना ही यहां किसी भी प्रकार का न्यूक्लियर वेस्ट का निपटान हो सकता। यहां जितनी भी खोज होगी, उसे सभी देशों में साझा किया जाएगा।

बेरोजगारी,गरीबी और महंगाई, ये तीनों मिलकर मोदी जी को चुनाव हरा रहे हैं - तेजस्वी यादव

पटना (ईएमएस)। आखिरी चरण से पहले बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा को तीन महबूबाएं चुनाव हरा रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन महबूबा हैं बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई। ये तीनों मिलकर मोदी जी को चुनाव हरा रहे हैं। गुरुवार को चुनाव प्रचार पर निकलने से पहले पटना एयरपोर्ट पर नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि देश में आईएनडीआईए को तीन सौ से अधिक सीटें आने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि चार जून के बाद मोदी जी की विदाई तय है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर उन्होंने कहा कि चार जून के बाद हमारे चाचा नीतीश जी कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं, अपनी पार्टी को बचाने के लिए। सवालिया लहजे में तेजस्वी ने कहा कि कब से हमारे चाचा जी चुनाव प्रचार में नहीं निकले हैं।

समंदर के नए सिकंदर राफेल एम की भारत आने की बारी,करीब 50 हजार करोड़ रुपए में होगी डील

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की सैन्य ताकत से पहले ही पाकिस्तान और चीन की नींद उड़ी हुई है। अब समंदर का नया सिकंदर भी दोनों देशों को डराने आ रहा है। जी हां, भारत के बाहुबली लड़ाकू विमान राफेल के बाद अब समंदर के नए सिकंदर राफेल एम की बारी है। भारत को बहुत जल्द राफेल एम फाइटर जेट मिलने वाला है। राफेल जहां भारतीय वायुसेना की ताकत में चार चांद लगा रहा है। वहीं, राफेल एम जेट इंडियन नेवी की ताकत को और बूस्ट करेगा। भारत और फ्रांस के बीच 26 राफेल मरीन जेट यानी समुद्री लड़ाकू विमानों के लिए डील होने वाली है। यह डील करीब 50 हजार करोड़ रुपए की होगी। भारत और फ्रांस के बीच राफेल एम फाइटर जेट को लेकर इसी सप्ताह बातचीत होगी।

रिपोर्ट के अनुसार भारत 26 राफेल एम फाइटर जेट की खरीद के लिए आधिकारिक तौर पर फ्रांस के साथ कॉन्ट्रैक्टर नेगोसिएशन शुरू करेगा। फ्रांसीसी सरकार, फाइटर जेट बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट और हथियार प्रणाली इंटीग्रेटर थेल्स सहित अन्य कंपनियों के अधिकारियों की एक टीम 30 मई को भारत पहुंच रही है। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने डील के लिए एक अनुबंध वार्ता समिति (सीएनसी) गठित की है। भारत की इसी टीम को फ्रांस की टीम के साथ इस डील पर मोहर लगाना है।

भारत के रक्षा मंत्रालय और नौसेना ने पिछले साल ही फ्रांस को इस डील के लिए अपनी रजामंदी दे दी थी। मझगांव डॉक्स में करीब 30,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 26 राफेल-एम और तीन एडिशनल स्कॉर्पीन सबमरीन्स के प्रस्तावित सौदों को पिछले साल 13 जुलाई को राजनाथ सिंह के नेतृत्व वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा आवश्यक स्वीकृति प्रदान की गई थी। यह पेरिस में मोदी-मैक्रोन शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले हुई थी। इसके पहले साल 2016 में भारत ने अपनी वायुसेना के लिए 36 राफेल लड़ाकू जेट खरीदने के लिए एक सौदा किया था। फ्रांस से इन सभी राफेल विमानों की डिलीवरी हो चुकी है और भारतीय आसमान में राफेल गरज भी रहा है।

राफेल एम फाइटर जेट समुद्री क्षेत्र में हवाई हमले के लिए खास तौर पर डिजाइन किए गए हैं। इसके मिलने से नेवी की ताकत बढ़ जाएगी। इन राफेल एम फाइटर जेट की तैनाती आईएनएस विक्रांत और विक्रमादित्य पर होगी। राफेल एम को एयरक्राफ्ट कैरियर्स पर लैंडिंग के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इसका विंग फोल्डेबल है, जबकि वायुसेना का राफेल नॉन फोल्डेबल है। इसका भी निर्माण दसॉल्ट एविएशन ने ही किया है। यह सिंगल सीटर फाइटर जेट होगा। यह समंदर की गहराई में भी हमला करने में सक्षम है और टोही मिशनों को भी अंजाम दे सकता है। यह परमाणु हमलों को विफल करने में भी सक्षम है। राफेल एम जेट यह 15.30मी. लंबा, 10.90 मी. चौड़ा, 5.30 मी. ऊंचा है। इसका वजन करीब 10,500 किलो है। यह 9.5 टन तक का बाहरी भार उठा सकता है। राफेल एम विमान की रफ्तार करीब 1389 किमी प्रति घंटे है और यह 50 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ सकता है। यह परमाणु क्षमता से लैस फाइटर जेट है। वहीं राफेल एम एक साथ हवा से जमीन और हवा से हवा दोनों तरह के मिशन को अंजाम दे सकता है। वायुसेना वाले राफेल से तुलना करें तब यह कई मायनों में काफी अलग है। राफेल एम वाहक-पोत आधारित संचालन की चुनौतियों का सामना करने के लिए बनाए गए हैं। इसमें ज्यादा प्रभावी लैंडिंग क्षमता, कैटापल्ट या रैंप लॉन्च और खारे पानी के वातावरण में उड़ान भरना शामिल हैं।

3 राज्यों में सीएए की नागरिकता शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल, हरियाणा और उत्तराखंड के आवेदकों को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत नागरिकता देना शुरू कर दिया है। संबंधित राज्यों की अधिकार प्राप्त समिति द्वारा, जिन लोगों ने आवेदन किया है। उन्हें नागरिकता प्रमाण पत्र दिया जा रहा है।

जो नागरिक विभाजन के समय1947 और 1971मे भारत आए थेउन्हें भारतीय नागरिकता प्राप्त थी। इस कानून के लागू होने के बाद जो लोग वर्तमान पाकिस्तान-बांग्लादेश से आए थे।

1947 अथवा 1971 से यहां रह रहे थे। जो पूरी तरह से भारत के नागरिक थे। वह सरकारी नौकरी में हैं कारोबार भी कर रहे हैं। भारतीय नागरिक के रूप में उन्हें सभी सुविधाएं भी प्राप्त हो रही हैं उनकी पहचान भारतीय नागरिक के रूप में है।

अब ऐसे सभी नागरिक पाकिस्तान के साथ अपने आप बाप दादाओं के दस्तावेजों को खोजकर उनके दस्तावेज के आधार पर नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत नागरिकता के लिए आवेदन कर रहे हैं। उन्हें ऐसा लग रहा है, जब वह भारत आए थे। तब उन्हें शरणार्थी कहा गया था। उनके मन में डर बैठ गया है। वह भी नागरिकता के लिए आवेदन कर रहे हैं।

जल संकट पर हरियाणा से तनातनी....सुप्रीम कोर्ट जाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के विभिन्न हिस्से इनदिनों पानी की कमी से जूझ रहे है। वहीं पानी की किल्लत को लेकर केजरीवाल सरकार सुप्रीम कोर्ट जाने को तैयार है। दिल्ली सरकार मुद्दे के समाधान के लिए गुरुवार को आपातकालीन बैठक बुलाई। जल संकट पर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने कहा कि हम एक सेंट्रल वॉटर टैंकर का वॉर रूम दिल्ली जल बोर्ड में स्थापित कर रहे हैं। इस वॉर रूम का नेतृत्व एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी द्वारा किया जाएगा। जो भी दिल्लीवासी पानी का टैंकर चाहते हैं वे 1916 पर कॉल कर सकते हैं। 5 तारीख से दिल्ली के हर वॉटर जोन में एक एडीएम स्तर और एक एसडीएम स्तर के अफसर को तैनात किया जाएगा। वे त्वरित प्रतिक्रिया टीम बनाएंगे जो पानी की कमी वाले इलाकों में ग्राउंड पर उपलब्ध होगी... हम दिल्ली जल बोर्ड की 200 प्रवर्तन टीमें बना रहे हैं जो पानी की बर्बादी की जांच करेगी।

आतिशी ने आरोप लगाया है कि हरियाणा द्वारा यमुना में दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़े जाने के कारण जलापूर्ति में कमी आई है। दिल्ली सरकार ने पानी की बर्बादी पर 2000 रुपये का जुर्माना लगाया और जुर्माना लागू करने के लिए 200 टीमें गठित कीं। साथ ही सरकार ने जल संकट से प्रभावित इलाकों में दो पालियों में टयूबवेल चलाने और जलापूर्ति के लिए पानी के टैंकर भेजने जैसे कदम उठाने का भी फैसला किया है।

3डी-प्रिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट अग्निबाण का सफल परीक्षण

पीएम मोदी सहित इसरो ने दी स्टार्ट-अप टीम को बधाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। चेन्नई के अंतरिक्ष स्टार्ट-अप 'अग्निकुल कॉसमॉस ने गुरुवार को श्रीहरिकोटा स्थित अपने प्रक्षेपण स्थल से अपने स्वदेश निर्मित 3डी-प्रिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट अग्निबाण का उप-कक्षीय परीक्षण सफलतापूर्वक किया। अग्निकुल कॉसमॉस ऐसा करने वाली भारत की दूसरी निजी इकाई है। चार असफल प्रयासों के बाद गुरुवार को परीक्षण बिना किसी लाइव स्ट्रीमिंग के, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में कुछ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।

इसरो ने पोस्ट में कहा, अग्निबाण सॉर्टेड-01 मिशन के उनके प्रक्षेपण स्थल से सफल प्रक्षेपण के लिए अग्निकुल कॉसमॉस को बधाई। यह एक बड़ी उपलब्धि है...। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (आईएन-स्पेस) के अध्यक्ष पवन गोयनका ने कहा, अग्निकुल कॉसमॉस द्वारा अग्निबाण एसओआरटीईडी के सफल प्रक्षेपण से बहुत प्रसन्न हूं। यह भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष विभाग और इसरो अग्निकुल कॉसमॉस को अग्निबाण-एसओआरटीईडी के सफल प्रक्षेपण पर बधाई दी। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, एक उल्लेखनीय उपलब्धि जो पूरे देश को गौरवान्वित करेगी! दुनिया के पहले सिंगल-पीस 3डी प्रिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक इंजन द्वारा संचालित अग्निबाण रॉकेट का सफल प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और हमारी युवा शक्ति की उल्लेखनीय सरलता का प्रमाण है। अग्निकुल कॉसमॉस टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल ए के भट्ट (सेवानिवृत्त) ने कहा, यह भारत के फलते-फूलते निजी अंतरिक्ष उद्योग के लिए एक बहुत बड़ा प्रोत्साहन और गर्व का क्षण है और यह हमारे लिए भविष्य में क्या छिपा है, इसकी एक झलक मात्र है। इसके पीछे की पूरी टीम को हमारी हार्दिक बधाई और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। कंपनी के अनुसार अग्निबाण एक अनुकूलन योग्य दो-चरणीय प्रक्षेपण यान है जो 300 किलोग्राम तक का पेलोड (भार) लगभग 700 किलोमीटर की कक्षा में ले जा सकता है। यह रॉकेट तरल और गैस प्रणोदकों के मिश्रण के साथ एक अर्ध-क्रायोजेनिक इंजन का उपयोग करता है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अपने किसी भी रॉकेट में अभी तक प्रदर्शित नहीं किया गया है।

सनी देओल पर धोखाधड़ी, झूठ बोलने का आरोप

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म गदर 2 से धमाल मचाने के बाद सनी देओल इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच वे मुसीबतों में फंसते दिख रहे हैं। हाल ही में प्रोडयूसर सौरव गुप्ता ने सनी पर धोखाधड़ी, झूठ बोलने और जबरन पैसे वसूलने के आरोप लगाए हैं।

प्रोडयूसर गुप्ता का कहना है कि सनी ने उनसे साल 2016 में एडवांस पेमेंट ली थी और फिल्म करने का वादा करके और भी पैसे लिए, लेकिन गदर 2 के हिट होने के बाद उन्होंने फिल्म करना बंद कर दिया। फिल्ममेकर गुप्ता ने बताया है कि सनी देओल ने साल 2016 में फिल्म साइन की थी, जिसमें उनकी फीस 4 करोड़ रुपए थी। सौरव ने कहा कि मैंने उन्हें 1 करोड़ रुपए एडवांस में दिए, लेकिन फिल्म शुरू करने की जगह उन्होंने पोस्टर बॉयज (2017) की शूटिंग शुरू कर दी।

वह मुझसे लगातार पैसे मांगते रहे और अब मेरे 2.55 करोड़ सनी जी के अकाउंट में हैं। उन्होंने मुझे दूसरे डायरेक्टर को पैसे देने के लिए भी कहा, फिल्मीस्तान का स्टूडियो बुक करने और एक्सीक्यूटिव प्रोडयूसर के लिए भी कहा।

इंडिया गठबंधन करेगा पीएम का चयन 48 घंटे में : जयराम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन स्पष्ट व निर्णायक जनादेश हासिल करेगा और परिणामों के 48 घंटे के भीतर प्रधानमंत्री के नाम का चयन भी कर लेगा। यह बात कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को एक साक्षात्कार के दौरान कही।

लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण 1 जून के मतदान से पूर्व चुनाव प्रचार के आखिरी दिन साक्षात्कार दे रहे कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी गठबंधन में जिस दल को सबसे अधिक सीट मिलेंगी, वही दल अगली सरकार का नेतृत्व करने का स्वाभाविक दावेदार होगा। उन्होंने इसी बीच कहा कि बहुमत मिलने के बाद तो एनडीए के भी कुछ साथी इंडिया में शामिल हो सकते हैं। हालांकि कांग्रेस आलाकमान यह तय करेंगे कि उन्हें गठबंधन में शामिल करना है या नहीं। वहीं एक सवाल के जवाब में जयराम रमेश ने कहा कि नीतीश कुमार पलटी मारने में उस्ताद हैं। वहीं चंद्रबाबू नायडू 2019 में कांग्रेस के साथ थे। ऐसे में उन्होंने दावे के साथ कहा कि यहां बस यही कहूंगा कि इंडिया गठबंधन के घटक दलों को जनादेश मिलेगा, तो एनडीए के कुछ घटक दल भी इसमें शामिल हो सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस सब के लिए तो कांग्रेस आलाकमान खड़गे, श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी को फैसला करना होगा।

कांग्रेस महासचिव जयराम ने पहेली बुझाते हुए कहा, कि इंडिया गठबंधन और एनडीए (राजग) में सिर्फ दो शब्दों का ही अंतर है। इंडिया से यदि दो आई निकाल दें तो एनडीए बचता है। इन दो आई का मतलब ही इंसानियत और ईमानदारी है। ऐसे में जिन राजनीतिक दलों में इंसानियत और ईमानदारी है वो इंडिया गठबंधन में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में भाजपा की कोई लहर नहीं है, सिर्फ निवर्तमान प्रधानमंत्री का जहर नजर आया है। उन्होंने कहा कि 20 साल बाद इतिहास फिर दोहराएगा और विपक्षी गठबंधन को स्पष्ट एवं निर्णायक जनादेश मिलेगा।

पाकिस्तान का फतह-2रॉकेट्स ,भारत के लिए बनेगा काल

एयर डिफेंस सिस्टम को 95 प्रतिशत बर्बाद कर सकता

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी थिंक टैंक ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान का फतह-2 जीएमएलआरएस भारत के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। यह भारत के हवाई सुरक्षा कवच यानी एयर डिफेंस सिस्टम तोड़ सकती है। अगर भारत-पाकिस्तान में संघर्ष होता है, तब फतह-2 रॉकेट्स भारत के एयर डिफेंस सिस्टम को 95 प्रतिशत बर्बाद करने में सक्षम हैं।

दावा यह भी किया गया हैं, कि यह रॉकेट रूस से भारत को मिले एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को भी तबाह कर देगा। पाकिस्तान ने पिछले महीने ही ताकतवर रॉकेट का सफल परीक्षण किया था। यह 400 किलोमीटर तक मार करने वाला रॉकेट आर्टिलरी है। दावा किया जा रहा है कि इसका नेविगेशन सिस्टम, ट्रैजेक्टरी और दिशा-गति में बदलाव की क्षमता फतह-2 को बेहद खास और खतरनाक बनाती है। फतह-2 गाइडेड रॉकेट सिस्टम है। यह पाकिस्तान का मल्टी-लॉन्च रॉकेट सिस्टम हैं। पाक सेना का दावा है कि इसकी सटीकता का कोई सानी नहीं है। इसमें स्टेट-ऑफ-द-आर्ट नेविगेशन सिस्टम, खास ट्रैजेक्टरी और मैन्यूवरेबल फीचर्स हैं। यानी यह अपनी दिशा भी बदल सकती है।

तीन लेफ्टिनेंट कर्नलों सहित 16 जवानों पर मामला दर्ज

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में सीमावर्ती कुपवाड़ा जिले के थाने में सोमवार रात हुए हमले में शामिल होने के आरोप में तीन लेफ्टिनेंट कर्नल सहित 16 सैन्यकर्मियों को नामजद किया गया है। इन

जन हितैषी

कई घातक बीमारियों का जन्मदाता है धूम्रपान

(विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (31 मई) पर विशेष)

धूम्रपान को लेकर पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे व्यक्ति समझना ही नहीं चाहते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। प्रतिवर्ष विश्वभर में 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस 'तंबाकू उद्योग के दखल से बच्चों की रक्षा करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है ताकि भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि तंबाकू के इस्तेमाल में गिरावट जारी रहे।

धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीडियों का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है।

दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

बहरहाल, धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

सम्मानित और लोकप्रिय भाषा हिंदी

आजकल नेताओ द्वारा चुनाव में भाषा भी एक मुद्दा बन रहा है जैसे साउथ और बंगाल में हिंदी को छोड़कर गृह भाषा को ज्यादा जोर दे रहे हैं कोई ये सोचता है ये नेता तमिल या बंगाली में बोल रहा है तो इस राज्य के लिए बहुत बढ़िया नेता है लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए हमेशा पुरे देश में एक ही भाषा हिंदी हो. भाषा का आविष्कार मानव सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है। यह संचार के माध्यम के रूप में कार्य करता है और समाज के विकास और प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भाषा न केवल विचार व्यक्त करती है बल्कि किसी सभ्यता की संस्कृति और समृद्धि का भी प्रतिनिधित्व करती है। जहाँ हिंदी भारत की राष्ट्रीय भाषा है, वहीं यह पूर्वी विचारों को व्यक्त करने के लिए एक अनूठी भाषा के रूप में भी काम करती है। बाईस देशों में एक अरब से अधिक बोलने वालों और दुनिया में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा होने के कारण, हिंदी विश्व स्तर पर लोकप्रियता और मान्यता प्राप्त कर रही है। मैक्स मुलर जैसे प्रसिद्ध विद्वानों और चीनी यात्रियों ने भारतीय साहित्य की समृद्धि और गुणवत्ता को प्रदर्शित करते हुए प्राचीन ग्रंथों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया है। महान कवियों और विद्वानों की रचनाओं का दुनिया भर की प्रमुख भाषाओं में अनुवाद किया गया है, जिससे ज्ञान और विज्ञान के प्रसार में योगदान मिला है। जापान के प्रोफेसर क्यूया दोई का मानना है कि अंग्रेजी सीखने की तुलना में हिंदी सीखना आसान और अधिक फायदेमंद है, क्योंकि यह एक ऐसी भाषा है जो एशियाई और इंडो-यूरोपीय भाषाओं के बीच अंतर को पाटती है। भारत की सांस्कृतिक समृद्धि दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन इस संस्कृति के सार को केवल हिंदी के माध्यम से ही पूरी तरह से समझा जा सकता है। इस भावना के कारण भाषा सीखने में रुचि बढ़ी है, जिससे विश्व भाषा के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत हुई है। वैश्वीकरण, सूचना क्रांति और भारत के तीव्र विकास ने भी हिंदी की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बाईस देशों में लगभग 85 करोड़ वक्ताओं और 143 विश्वविद्यालयों में हिंदी पाठ्यक्रम की पेशकश के साथ, भाषा की प्रमुखता लगातार बढ़ रही है। वैश्विक संदर्भ में, दुनिया भर में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं के मामले में हिंदी अब मंदारिन चीनी के बाद दूसरे स्थान पर है। मनोरमा ईयर बुक-2022 के अनुसार, 874 मिलियन चीनी भाषा बोलने वाले, 366 मिलियन हिंदी भाषा बोलने वाले और 366 मिलियन अंग्रेजी भाषा बोलने वाले हैं। डेटा विश्व पंचांग-2003 से प्राप्त किया गया था। हिंदी बोलने वालों में उर्दू (60 मिलियन), मैथिली (24 मिलियन), मगही (11 मिलियन), छत्तीसगढ़ी (11 मिलियन), अवधी (20 मिलियन) शामिल हैं। आंकड़ों में गुजराती और मराठी भाषा बोलने वालों को शामिल नहीं किया गया है। बारबरा एफ ग्रिम्स द्वारा संपादित विश्व की भाषाओं के अनुसार हिंदी बोलने वालों की संख्या विश्व स्तर पर दूसरे स्थान पर है। दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है और रूस, अमेरिका, जर्मनी आदि देशों में शोध और अनुवाद कार्य किया जा रहा है। हिंदी साहित्य मॉरीशस, सूरीनाम, त्रिनिदाद और फिजी जैसे विभिन्न देशों में सम्मानित और लोकप्रिय है। भाषा के शोध, अनुवाद और प्रचार-प्रसार के लिए प्रमुख देशों में हिंदी अध्ययन केंद्र स्थापित हैं। तुलसीदास, प्रेमचंद और अज्ञेय जैसे प्रसिद्ध हिंदी लेखकों की रचनाएँ कई भाषाओं में उपलब्ध हैं। हिंदी गाने और फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। हिंदी भाषा और साहित्य के माध्यम से भारत के साथ भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में देशों की रुचि बढ़ रही है। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

आत्मघाती है तम्बाकू का नशा

भारत में योजनाबद्ध तरीके से युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में लाने का अघोषित अभियान सा चलता दिखाई दे रहा है। आज युवक ही नहीं, बल्कि युवतियाँ भी नशे की लत की शिकार होती जा रही हैं। देश में तमाम प्रतिबंध और चेतावनियों के बाद भी जिस गति से तंबाकू खाने का प्रचलन बढ़ रहा है। उससे यह संभावना व्यक्त की जा सकती है कि आने वाले समय में इसके खतरे और बढ़ेंगे। तंबाकू के खतरे को नजरअंदाज करना न सिर्फ भयानक होगा, बल्कि आत्मघाती भी होगा। तंबाकू जनित कुछ आंकड़ों पर भी गौर कर लें। विश्व स्वास्थ्य संगठन का आंकड़ा कहता है कि 1997 के मुकाबले तंबाकू निषेध कानूनों के लागू करने के बाद वयस्कों में तंबाकू सेवन की दर में 21 से 30 प्रतिशत की कमी आई थी, लेकिन इसी दौरान हाईस्कूल जाने वाले 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में तंबाकू का सेवन 60 प्रतिशत बढ़ गया था। दुनिया में होने वाली हर पांच मौतों में से एक मौत तंबाकू की वजह से होती है। तंबाकू जनित रोगों में सबसे ज्यादा मामले फेंफड़े और रक्त से संबंधित रोगों के हैं जिसका उपचार न केवल महंगा बल्कि जटिल भी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि सन 2050 तक 2.2 अरब लोग तंबाकू या तंबाकू उत्पादों का सेवन कर रहे होंगे। इस आकलन से अंदाजा लगाया जा सकता है कि तंबाकू के खिलाफ कानूनी और गैर सरकारी अभियानों की क्या गति है और उसका क्या हश्र है। प्रत्येक आठ सेकंड में होने वाली एक मौत तंबाकू और तंबाकू जनित उत्पादों के सेवन से होती है। फिर भी तंबाकू के उपभोग में कमी न होना मानव सभ्यता के लिए एक गंभीर सवाल है। तंबाकू के बढ़ते खतरे और जानलेवा दुष्प्रभावों के बावजूद इससे निपटने की हमारी तैयारी इतनी लचर है कि हम अपनी मौत को देख तो सकते हैं, लेकिन उसे टालने की कोशिश नहीं कर सकते। इसलिए इसे आत्मघाती कदम निरुपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। यह मानवीय इतिहास की एक त्रासद घटना ही कही जाएगी कि कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका की सक्रियता के बावजूद स्थिति नहीं संभल रही। क्या तंबाकू के खिलाफ इस जंग में हमें हमारी नीयत ठीक करने की जरूरत नहीं है? अगर हम स्वयं सचेत हो जाएं तो ही इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। लेकिन तमाम चेतावनियों के बावजूद हम अपना जीवन बर्बादी के मार्ग पर ले जाने की भूल कर रहे हैं।

चीन के बाद भारत में दुनिया के सबसे अधिक तंबाकू सेवन करने वाले लोग रहते हैं। तंबाकू सेवन करने वालों में बीड़ी पीने वालों का अनुपात 85 प्रतिशत है। सरकार तंबाकू के उत्पादन को नियंत्रित कर इसके दुष्प्रभाव को कम करना चाहती है, परंतु तंबाकू की खेती और तंबाकू उत्पादों से जुड़े उद्योगों में लगे लाखों किसानों-मजदूरों की आजीविका आड़े आ रही है। विशेषज्ञ तंबाकू से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए इस पर कर बढ़ाने का सुझाव देते रहे हैं। उनके अनुसार यदि देश में बीड़ी, सिगरेट पर लगने वाले कर को अंतरराष्ट्रीय मानकों के स्तर पर ला दिया जाए, तो लाखों लोगों को असमय मौत के मुंह में जाने से बचाया भी जा सकेगा। बीड़ी-सिगरेट से हो रहे भारी नुकसान के बावजूद देश में लोकप्रिय तंबाकू उत्पादों पर कर की दरें बहुत कम हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सिगरेट पर 65 से 85 प्रतिशत कर लगाने का सुझाव दिया है। यदि सिगरेट की खुदरा बिक्री पर कर को बढ़ाकर 78 प्रतिशत कर दिया जाए, तो तंबाकू से होने वाली 34 लाख मौतों को कई वर्ष तक टालने में सफलता मिलेगी। डेढ़ करोड़ लोगों को अकाल मौत से बचाया जा सकेगा और बीमारी पर होने वाले खर्च में भी कमी आ जाएगी।

तंबाकू और उसके उत्पादों के सेवन से पूरे शरीर पर विपरीत प्रभाव होता है। अनेक बार चेतावनी देने के बाद भी हम इसे छोड़ने का प्रयास नहीं करते। इसके कारण शरीर के प्रत्येक अंग पर इसका दुष्प्रभाव होता है। इससे पेट और गले का कैंसर हो सकता है। आपकी सेहत का राज छिपा है आपके दांतों में। अगर आपके दांत तंदुरुस्त नहीं हैं तो समझिए शरीर भी तंदुरुस्त नहीं। युवाओं में गुटखा खाने का चलन बढ़ता जा रहा है जिसका नतीजा दांतों और मसूढ़ों को भुगतना पड़ता है। लगातार गुटखे के सेवन से सबम्यूकस फाइब्रोसिस हो जाता है जिससे मुंह खुलना बंद हो जाता है। मुंह नहीं खुलेगा तो दांतों और मसूड़ों की सफाई कैसे होगी। मुंह नहीं खुलना कैंसर से ठीक पहले के लक्षण हैं। आजकल लोग 12 से 13 साल की उम्र में गुटखा खाना शुरू कर देते हैं जिससे उनके दांत अधेड़ लोगों की तरह घिस जाते हैं। दांतों पर लगा इनेमल घिस जाता है और दांत संवेदनशील बन जाते हैं। दांतों के पेरिओडोंटल टिश्यू (दांत की हड्डी) क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और दांत ढीले हो जाते हैं। भारत में दांतों की गंदगी और नियमित साफ-सफाई न होने के कारण 700 तरह के बैक्टीरिया खून में पहुंच जाते हैं जो दिल की बीमारी का कारण बनते हैं। लगातार तंबाकू के इस्तेमाल से दांत का रंग भी काला हो जाता है। तंबाकू को लगातार मुंह में रखने से गाल का वह हिस्सा गल जाता है जहां तंबाकू रहता है। तंबाकू में मौजूद निकोटिन और चूना गाल के ऊतक को जला देता है यह ऊतक जलकर कैंसर का कारण बन जाते हैं।

शारीरिक रूप से कमजोर युवाओं पर गुटखे का असर सबसे ज्यादा पड़ता है। संतुलित खान-पान न होने से गुटखा इन युवाओं में जहर का काम करता है। लगातार गुटखे के सेवन से दांतों के जरिए युवाओं में मुंह का कैंसर, पेट का कैंसर और दिल की बीमारी हो जाती है। निकोटिन ऐसा पदार्थ है, जो शरीर के लिए सिर्फ हानिकारक ही होता है। यह एक तथ्य है कि तंबाकू में चार हजार से अधिक हानिकारक रसायन होते हैं, इनमें से 18 से अधिक कैंसर कारक माने जाते हैं। हालांकि भारत में सिगरेट पीना लोग देर से शुरू करते हैं, लेकिन जब बात इसे छोड़ने की आती है तो इस मामले में भारतीय बहुत पीछे हैं। सिगरेट या बीड़ी की लत को छोड़ने के लिए केवल एक सख्त इरादे की जरूरत होती है। कहावत है कि हजारों मील का लंबा सफर एक कदम से शुरू होता है। सिगरेट-बीड़ी छोड़ने की राह में आपको संकल्प करने की आवश्यकता है उसके बाद मंजिल आपके सामने होगी।

तंबाकू सेवन करने व्यक्तियों पर इसका किस स्तर तक दुष्प्रभाव हो रहा है। इसका व्यक्ति को पता ही नहीं चलता। इसके सेवन करने वाले व्यक्तियों पर धीरे धीरे यह अपना शिकंजा कसता जाता है। प्रारंभ में शौक के रूप में तंबाकू खाने वाले व्यक्ति अंततः इसकी लत का शिकार हो जाते हैं। यही लत व्यक्ति को कमजोर कर देती है और तंबाकू उसके ऊपर हाबी हो जाती है। जिस व्यक्ति में इसकी लत नहीं है, वह चाहे तो इसको आसानी से छोड़ सकता है, लेकिन लत वाले आदमी को इसे छोड़ना काफी मुश्किल है। इसके प्रभाव से शरीर का आभामंडल समाप्त हो जाता है। जब किसी खाने वाले व्यक्ति को देर तक तंबाकू खाने को नहीं मिलती तो उसका व्यवहार काफी चिड़चिड़ा हो जाता है। हमें यह बात ध्यान रखना होगी कि एकाग्रचित होकर काम करने वाले व्यक्तियों में इसकी लत नहीं होती। इसकी लत होने पर व्यक्ति अपने काम पर मन नहीं लगा सकता और वह हर क्षेत्र में असफल ही होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि महिलाओं पर तंबाकू का ज्यादा बुरा असर होता है। महिलाओं में तंबाकू के लत के दो बड़े खतरे हैं। एक यह कि उनकी सुंदरता चली जाती है, दूसरे उन पर बांझ होने का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए यह निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि तम्बाकू किसी भी दृष्टि के हितकर नहीं है। इसमें धन की बर्बादी तो होती ही है, साथ ही जीवन भी राह भी कठिन हो जाती है। इसलिए तम्बाकू आज ही छोड़ें, क्योंकि कल कभी आता ही नहीं(लेखक- सुरेश हिंदुस्तानी/ ईएमएस4)

नशे में तबाह होती जिन्दगियों को बचाना होगा

(विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस - 31 मई 2024)

बेशक 31 मई 2022 को विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस मनाया जा रहा है मगर ऐसे दिवस को मनाने की उपयोगिता तभी है जब नशे की अंधी गलियों में भटक चुके युवाओं को बाहर निकालना विश्व की हर सरकार का नैतिक एवं प्राथमिक कर्तव्य हो, क्योंकि युवा पीढ़ी नशे की गुलाम हो चुकी है। विश्व की गम्भीर समस्याओं में प्रमुख है तम्बाकू और उससे जुड़े नशीले पदार्थों का उत्पादन, तस्करी और सेवन में निरन्तर वृद्धि होना। नई पीढ़ी इस जाल में बुरी तरह कैद हो चुकी है। आज हर तीसरा व्यक्ति विशेषतः महिलाएं किसी-न-किसी रूप में तम्बाकू की आदी हो चुकी है। बीड़ी-सिगरेट के अलावा तम्बाकू के छोटे-छोटे पाउचों से लेकर तेज मादक पदार्थों, औषधियों तक की सहज उपलब्धता इस आदत को बढ़ाने का प्रमुख कारण है। इस दीवानगी को ओढ़ने के लिए प्रचार माध्यमों ने भी भटकाया है।

सरकार की नीतियां भी दोगली है। लेकिन तेलंगाना सरकार ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए तंबाकू और निकोटीन युक्त गुटखा व पान मसाला पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, वह सुखद है। ऐसे गुटखों या पान मसालों के निर्माण, भंडारण, वितरण, परिवहन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लग गया है। हालांकि, अभी यह पाबंदी एक वर्ष के लिए है, शायद आगे इसकी समीक्षा होगी और उसके बाद राज्य सरकार स्थायी प्रतिबंध का फैसला करेगी। ऐसे निर्णय केन्द्र सरकार एवं विभिन्न प्रांतों की सरकारों को भी लेने चाहिए। क्योंकि एक नशेड़ी पीढ़ी का देश कैसे आदर्श हो सकता है? कैसे स्वस्थ हो सकता है? कैसे प्रगतिशील हो सकता है? इस दुर्व्यसन के आदी लोग सुधरने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में, तेलंगाना में लगा प्रतिबंध कितना कारगर होगा, यह देखने वाली बात है। तेलंगाना अगर अपनी सीमा में प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करे, तो उसके पड़ोसी राज्यों तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र को भी सहयोग के लिए खड़ा होना पड़ेगा। नशे की गंभीरता एवं विकरालता को देखते हुए साल 1987 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने एक प्रस्ताव पारित किया और हर 31 मई को विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस मनाने का फैसला किया गया।

आज छोटे-छोटे बच्चे एवं महिलाएं नशे के आदी हो चुकी हैं। वे ऐसे नशे करती है कि रुह कांपती है। हर साल लाखों लोग नशे के कारण अपना जीवन दांव पर लगा रहे हैं। नशा आज एक फैशन बन चुका है। पूरे विश्व के लोगों को तंबाकू मुक्त और स्वस्थ बनाने के लिये तथा सभी स्वास्थ्य खतरों से बचाने के लिये तंबाकू चबाने या धूम्रपान के द्वारा होने वाले सभी परेशानियों और स्वास्थ्य जटिलताओं से लोगों को आसानी से जागरूक बनाने के लिये इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन यह विडम्बनापूर्ण है कि सरकारों के लिये यह दिवस कोरा आयोजनात्मक है, प्रयोजनात्मक नहीं। क्योंकि सरकार विवेक से नहीं, स्वार्थ से काम ले रही है। शराबबन्दी का नारा देती है, नशे की बुराइयों से लोगों को आगाह भी करती है और शराब, तम्बाकू का उत्पादन भी बढ़ा रही है। राजस्व प्राप्ति के लिए जनता की जिन्दगी से खेलना क्या किसी लोककल्याणकारी सरकार का काम होना चाहिए?

भारत में गुटखा सहित धुआं रहित तंबाकू का उपयोग एक खतरनाक कुचलन है, जिससे गंभीर किस्म की बीमारियां होती हैं। विशेष रूप से गुटखा से कैंसर का खतरा होता है और इसी वजह से साल 2002 से ही गुटखा पर नियंत्रण के प्रयास चलते रहे हैं। साल 2012 से भारतीय राज्यों द्वारा प्रतिबंधित होने के बावजूद गुटखा व्यापक रूप से उपयोग में है। गुटखा लॉबी देश भर में बहुत मजबूत है और इससे सरकारों व उनमें शामिल लोगों को गलत ढंग से भारी कमाई होती है। सबसे पहला राज्य मध्य प्रदेश है, जिसने गुटखा पर प्रतिबंध लगाया था, पर क्या वहां सफलता मिली? बिहार, गुजरात जैसे राज्य, जहां कहने को तो शराब प्रतिबंधित है, पर क्या वहां शराब का मिलना बंद हो गया है? ठीक इसी तरह से गुटखा के साथ हुआ है। लगातार चेतावनियों व विज्ञापनों के बावजूद गुटखा या तंबाकू का सेवन घट नहीं रहा है।

नशे की संस्कृति युवा पीढ़ी को गुमराह कर रही है। अगर यही प्रवृत्ति रही तो सरकार, सेना और समाज के ऊंचे पदों के लिए शरीर और दिमाग से स्वस्थ व्यक्ति नहीं मिलेंगे। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण हम एक स्वस्थ नहीं, बल्कि बीमार राष्ट्र एवं समाज का ही निर्माण कर रहे हैं। प्रसिद्ध फुटबाल खिलाड़ी मैराडोना, पॉप संगीत गायक एल्विस प्रिंसले, तेज धावक बेन जॉनसन, युवकों का चहेता गायक माईकल जैक्सन, ऐसे कितने ही खिलाड़ी, गायक, सिनेमा कलाकार नशे की आदत से या तो अपनी जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं या बरबाद हो चुके हैं। नशे की यह जमीन कितने-कितने आसमान खा गई। विश्वस्तर की ये प्रतिभाएं कीर्तिमान तो स्थापित कर सकती हैं, पर नई पीढ़ी के लिए स्वस्थ विरासत नहीं छोड़ पा रही हैं। नशे की ओर बढ़ रही युवापीढ़ी बौद्धिक रूप से दरिद्र बन जाएगी।

गुटखों और पान मसालों से जुड़ी समस्याओं को अभी भी हम गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। भारत में जनसंख्या-आधारित कैंसर रजिस्ट्री में पाया गया कि 55 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के उपयोग से संबंधित थे। भारत तंबाकू उत्पादों का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। भारत में तंबाकू छोड़ने की दर सबसे कम है, यहां सिर्फ 20 प्रतिशत पुरुष तंबाकू के दुर्व्यसन को छोड़ पाते हैं। जीवन का माप सफलता नहीं, सार्थकता होती है। सफलता तो गलत तरीकों से भी प्राप्त की जा सकती है। जिनको शरीर की ताकत खैरात में मिली हो वे जीवन की लड़ाई कैसे लड़ सकते हैं? तंबाकू सेवन कई सारी बीमारियों का कारण बनता है जैसे दीर्घकालिक अवरोधक फेफड़ों संबंधी बीमारी (सीओपीडी), फेफड़े का कैंसर, हृदयघात, स्ट्रोक, स्थायी दिल की बीमारी, वातस्फीति, विभिन्न प्रकार के कैंसर आदि।

तंबाकू का सेवन कई रूपों में किया जा सकता है जैसे सिगरेट, सिगार, बीड़ी, मलाईदार तंबाकू के रंग की वस्तु (टूथ पेस्ट), क्रिटेक्स, पाईप्स, गुटका, तंबाकू चबाना, सुर्ती-खैनी (हाथ से मल के खाने वाला तंबाकू), तंबाकू के रंग की वस्तु, जल पाईप्स, स्नस आदि। कितने ही परिवारों की सुख-शांति ये तम्बाकू उत्पाद नष्ट कर रहे हैं। बूढ़े मां-बाप की दवा नहीं, बच्चों के लिए कपड़े-किताब नहीं, पत्नी के गले में मंगलसूत्र नहीं, चूल्हे पर दाल-रोटी नहीं, पर नशा चाहिए। करोड़ों लोग अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। डब्ल्यूएचओ के अनुसार धूम्रपान की लत से हर साल लगभग 60 लाख लोग मारे जा रहे हैं और इनमें से अधिकतर मौतें कम तथा मध्यम आय वाले देशों में हो रही हैं। दुर्भाग्यवश इस गलत आदत को स्टेटस सिंबल मानकर अक्सर नवयुवक एवं महिलाएं अपनाते हैं और दूसरों के सामने दिखाते हैं। इससे प्रजनन शक्ति कम हो जाती है। यदि कोई गर्भवती महिला धूम्रपान करती है तो या तो शिशु की मृत्यु हो जाती है या फिर कोई विकृति उत्पन्न हो जाती है।

लंदन के मेडिकल जर्नल द्वारा किये गये नए अध्ययन में पाया गया कि धूम्रपान करने वाले लोगों के आसपास रहने से भी गर्भ में पल रहे बच्चे में विकृतियाँ उत्पन्न हो जाती हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डॉ. जोनाथन विनिकॉफ के अनुसार, गर्भावस्था के दौरान माता-पिता दोनों को स्मोकिंग से दूर रहना चाहिए। स्कूलों के बाहर नशीले पदार्थों की धडल्ले से बिक्री होती है, किशोर पीढ़ी धुए में अपनी जिन्दगी तबाह कर रही है। हजारों-लाखों लोग अपने लाभ के लिए नशे के व्यापार में लगे हुए हैं और राष्ट्र के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। चमड़े के फीते के लिए भैंस मारने जैसा अपराध कर रहे हैं। बढ़ती तम्बाकू प्रचलन की समस्या विश्व की दूसरी समस्याओं में सबसे देरी से जुड़कर सबसे भयंकर रूप से मुखर हुई है। लगता है विश्व जनसंख्या का अच्छा खासा भाग नशीले पदार्थों के सेवन का आदी हो चुका है। अगर आंकड़ों को सम्मुख रखकर विश्व मानचित्र (ग्लोब) को देखें, तो हमें सारा ग्लोब नशे में झूमता दिखाई देगा। (लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8023

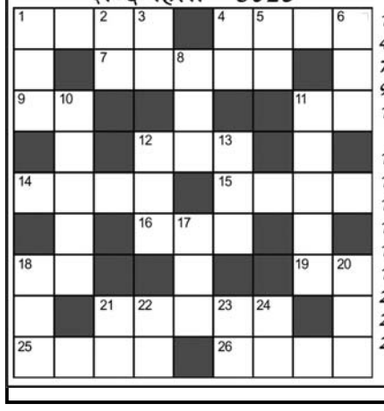

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8022 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

टी20 विश्वकप में भारतीय मूल के ये क्रिकेटर अपने को साबित करने उतरेंगे

न्यूयार्क (ईएमएस)। वेस्टइंडीज और अमेरिका में ए जून से शुरु हो रहे आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार 20 टीमें भाग ले रही हैं। ये पहली बार है जब विश्वकप में 20 टीमें उतरेंगी। इन टीमें में भारतीय मूल के कई क्रिकेटर शामिल हैं जो इस बार अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर सकते हैं। ये वे क्रिकेटर हैं जिन्हें भारत में घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद भी आगे अवसर नहीं मिले। ऐसे में ये अपने करियर को बनाने विदेशी टीमों से खेलने लगे।

इन खिलाड़ी में मेजबान अमेरिकी टीम के कप्तान मोनाक पटेल के अलावा हरमीत सिंह, सहित कई अन्य क्रिकेटर भी हैं। ये अमेरिका के अलावा कनाडा, नीदरलैंड जैसी टीमों से खेलते है। इसके अलावा युगांडा और ओमान की टीम में भी भारतीय मूल के कई क्रिकेटर शामिल हैं।

भारतीय-अमेरिकी ऑलराउंडर हरमीत सिंह ने भारत के लिए घरेलू क्रिकेट खेला है। वह आई.सी.सी. अंडर-19 विश्व कप में भी भारतीय टीम में शामिल रहे हैं। इसके बाद अवसर नहीं मिलने से अमेरिका चले गये। हरमीत ने अब तक 6 टी20 मैचों में 81 रन बनाने के साथ ही छह विकेट भी लिए हैं।

जालन्धर के विक्रमजीत नीदरलैंड की ओर से खेलते हैं। विक्रमजीत नीदरलैंड के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हैं। बल्लेबाजी लाइन-अप का एक अहम हिस्सा रहे हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक नीदरलैंड के लिए 32 एकदिवसीय मैचों में 964 रन बनाए हैं और 14 टी20ई में उनके नाम 175 रन हैं।

इसके अलावा भारतीय मूल के आर्यन दत्त ने साल 2021 में नीदरलैंड की ओर से खेलना शुरु किया था। उन्होंने नीदरलैंड के लिए 38 वनडे और 11 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 41 और 8 विकेट लिए हैं। इसके अलावा 40 प्रथम श्रेणी मैचों में 44 विकेट भी लिए हैं।

दिल्

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 617 अंक , निफ्टी 216 अंक गिरा

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार नीचे आया था। बाजार में ये गिरावट दुनियाभर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी और धातु शेयरों में जमकर बिकवाली हुई जिससे बाजार पर दबावा आया। कारोबार के दौरान बैंकिंग को छोड़कर अधिकतर क्षेत्रों में गिरावट रही। धातु, आईटी, वाहन, फार्मा, एफएमसीजी और रियल्टी इंडेक्स में गिरावट देखी गई। केवल मीडिया और प्राइवेट बैंक इंडेक्स ही बढ़कर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 617 अंक करीब 0.83 फीसदी नीचे आकर 73,885 अंक और पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 216 अंक तकरीबन 0.95 फीसदी नीचे आकर 22,488 अंक पर बंद हुआ है।

इस दौरान बैंकिंग इंडेक्स निफ्टी बैंक 181 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी ऊपर आकर 48,682 अंक पर बंद हुआ है। कारोबारी सत्र में गिरावट का सबसे ज्यादा प्रभावी मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर हुआ। निफ्टी मिडकैप 698 अंक करीब 1.34 फीसदी टूटकर 51,426 अंक और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 273 अंक तकरीबन 1.62 फीसदी नीचे आकर 16,612 अंक पर बंद हुआ।

आज कोरोबार के दौरान इंडिया विक्स 24.17 अंक पर करीब सपाट बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयर नुकसान में रहे। इसमें टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, टाइटन, विप्रो, पावर ग्रिड और बजाज फिनसर्व के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ।

वहीं आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और एलएंडटी के शेयरों को लाभ हुआ और ये ऊपर आये। इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिले कमजोर संकेतों और लोकसभा चुनाव नतीजों से पहले बाजार में गुरुवार को गिरावट देखने को मिल रही है। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 123 अंक गिरकर 74,380.08 के स्तर पर खुला, जबकि एनएसई निफ्टी 44 अंक गिरकर 22,660.90 के स्तर पर खुला। बीएसई पर एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक टॉप गेनर्स बने जबकि टाइटन और टाटा स्टील टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल हुए। इसी तरह एनएसई पर इंडसइंड बैंक, बीपीसीएल शीर्ष लाभ में रहे जबकि टाटा स्टील और एलटीआईमाइंडट्री शीर्ष घाटे में रहे पिछले वित्त वर्ष 2023 की समान तिमाही में ये 17.25 करोड़ रुपए रहा था। वहीं चौथी तिमाही में कंपनी की आय 262.63 करोड़ रुपए रही। पिछले वित्त वर्ष 2023 की समान तिमाही में ये 240.95 करोड़ रुपए रही थी। कंपनी के शेयर में 2.63 प्रतिशता की गिरावट रही।

राइसी की मौत के बाद खत्म नहीं हुई कड़वाहट

.....श्रद्धांजलि कार्यक्रम का बहिष्कार करेगा अमेरिका

जेनेवा (ईएमएस)। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम राइसी की मौत के बाद भी अमेरिका की उनके प्रति कड़वाहट खत्म नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से होने वाली रायसी की श्रद्धांजलि कार्यक्रम का अमेरिका ने बहिष्कार करने का ऐलान किया है। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा पारंपरिक रूप से किसी भी वैश्विक नेता को श्रद्धांजलि देने का नियम है, जो मौत के वक्त अपने ही देश के प्रमुख रहे हो। श्रद्धांजलि समारोह में रायसी के बारे में भाषण दिए जाएंगे। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि हम किसी भी क्षमता में इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होने वाले है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने टिप्पणी करने से इंकार किया है।

एक कट्टरपंथी नेता रायसी को ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था। लेकिन 19 मई को अज़रबैजान सीमा के पास पहाड़ों में खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर गिरने से मौत हो गई थी। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को ईरान के लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए, न कि उनके दशकों पुराने उत्पीड़क को याद करना चाहिए। रायसी कई भयानक मानवाधिकारों के हनन में शामिल थे, जिसमें 1988 में हजारों राजनीतिक कैदियों की न्यायेतर हत्याएं भी शामिल थीं। सबसे खराब मानवाधिकारों का हनन, विशेषकर ईरान की महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ रायसी के कार्यकाल के दौरान ही हुआ।

बात दें कि अमेरिका ने राइसी की मौत पर अपनी आधिकारिक संवेदना व्यक्त की थी। विदेश विभाग ने 20 मई को कहा इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक ऐसा व्यक्ति था जिसके हाथों पर बहुत सारा खून लगा था। ईरान के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए कांग्रेस के कुछ रिपब्लिकन सदस्यों द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन की कड़ी आलोचना की गई।

लोकसभा चुनाव पूरा भी नहीं हुआ और एन डीए ने शपथ समारोह की तैयारी शुरु कर दी

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण एक जून को मतदान के साथ पूरा होगा। परिणाम 4 जून को आएंगे। परिणाम क्या होंगे कोई नहीं जानता। इसके बाद भी एनडीए को पूरा भरोसा है कि सरकार उसी की बनेगी। यही कारण है कि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां शुरु कर दी गईं हैं। बताया जा रहा है कि यदि एनडीए चुनाव जीतकर फिर से सत्ता में वापसी करता है तो कर्तव्य पथ पर भव्य तरीके से शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा। कर्तव्य पथ पर बड़े कार्यक्रम के आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बता दें कि इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख अजित पवार ने भी इसके संकेत दिए हैं। एनसीपी नेता अजित पवार ने 9 जून को एनडीए सरकार के शपथ लेने के संकेत दिए हैं। दरअसल, 10 जून को उनकी पार्टी का स्थापना दिवस है। उन्होंने अपनी पार्टी की एग्जीक्यूटिव मीटिंग में नेताओं से कहा कि इस बार पार्टी का स्थापना दिवस मनाना संभव नहीं हो सकेगा, क्योंकि वे लोग शपथ ग्रहण समारोह में व्यस्त रहेंगे। बता दें कि दिल्ली इन दिनों भीषण गर्मी का सामना कर रही है। जून महीने में भी इससे राहत मिलने की ज्यादा उम्मीद नहीं है, ऐसे में आयोजनकर्ताओं के लिए यह एक समस्या हो सकती है। एनडीए की सरकार ने साल 2014 में 26 मई और साल 2019 में 30 मई को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव परिणाम यदि एनडीए के पक्ष में रहता है तो 9 जून को शपथ ग्रहण का आयोजन किया जाएगा।एनडीए राष्ट्रपति भवन के प्रांगण के बजाय इस बार कर्तव्य पथ पर शपथ ग्रहण आयोजित करना चाहता है। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव परिणाम आने के बाद कर्तव्य पथ पर शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन से जुड़ी योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस बाबत 24 मई को केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण विभाग के विंग में बैठक भी हुई। महत्वपूर्ण बैठक में ऑल इंडिय रेडियो और दूरदर्शन के अधिकारी मौजूद थे। इसमें शपथ ग्रहण समारोह के कवरेज को लेकर चर्चा हुई। लोकसभा चुनाव में यदि एनडीए को जीत मिलती है तो शपथ ग्रहण समरोह कर्तव्य पथ पर आयोजित करने की प्लानिंग है। अब सवाल उठता है कि इतने बड़े और महत्वपूर्ण समारोह के लिए कर्तव्य पथ (पूर्व में राजपथ) ही पहली पसंद क्यों है? सूत्रों ने बताया कि एनडीए इस बार ऐसी जगह की तलाश में है, जहां ज्यादा से ज्यादा लोग समारोह का साक्षी बन सकें और साथ ही विकसित भारत की तस्वीर भी देश एवं दुनिया के लोग देख सकें। बता दें कि कर्तव्य पथ महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का सेंटरपीस है। इस प्रोजेक्ट का निर्माण भी काफी हद तक पूरा हो चुका है, ऐसे में यदि यहां शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा तो विकसित भारत की झलक से लोग रूबरू हो सकेंगे। दूसरी बड़ी वजह यह है कि कर्तव्य पथ पर ज्यादा से ज्यादा लोगों को अकोमोडेट किया जा सकता है।

चीन की मदद से एलओसी पर बंकरों का निर्माण, ड्रोन की तैनाती कर रहा पाकिस्तान ,भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियां हुईं सतर्क

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन बीते तीन साल से जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान के लिए रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। चीन जम्मू-कश्मीर से लगती पाकिस्तान की सीमा पर लोहे से ढके बंकरों का निर्माण कर रहा है।

इतना ही नहीं पाकिस्तान के लिए मानव रहित लड़ाकू हवाई उपकरणों की तैनाती की जा रही है। साथ ही चीन एलओसी पर अत्यधिक गोपनीय कम्यूनिकेशन टावर्स की स्थापना और अंडरग्राउंड फाइबर केबल बिछाने में भी मदद कर रहा है। चीन मूल की उन्नत रडार प्रणाली, जैसे 'जेवाई' और 'एचजीआर' को मध्यम और कम ऊंचाई वाले लक्ष्य का पता लगाने की क्षमताएं बढ़ाने के लिए तैनात किया गया है, जिससे सेना और वायु रक्षा इकाइयों को महत्वपूर्ण खुफिया सहायता मिलती है। चीनी कंपनी की बनाई 155 एमएम होवित्जर तोप एसएच-15 की मौजूदगी भी एलओसी से लगते विभिन्न स्थानों पर देखी गई है।

इस कदम को चीन के पाकिस्तान के साथ संबंधों को मजबूत बनाने और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विशेष रूप से चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) को लेकर हुए निवेश की सुरक्षा के तहत देखा जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि हालांकि अग्रिम चौकियों पर साल 2014 की तरह चीनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी नहीं मिली है, लेकिन कुछ सुरागों से पता चला है कि चीनी सैनिक और इंजीनियर एलओसी पर भूमिगत बंकरों के निर्माण सहित बुनियादी ढांचे बना रहे हैं।

अधिकारियों कहा कि चीनी विशेषज्ञ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की लीपा घाटी में सुरंग निर्माण में लगे हैं, जिससे काराकोरम राजमार्ग से जुड़ने वाली एक ऑल वेदर सड़क के निर्माण के संकेत मिल रहे हैं।

यह रणनीतिक कदम चीन की महत्वाकांक्षी 46 अरब डॉलर की सीपीईसी परियोजना से जुड़ा है, जिसका लक्ष्य चीन के अवैध कब्जे वाले क्षेत्र काराकोरम राजमार्ग के जरिए पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह और चीन में शिनजियांग प्रांत के बीच एक सीधा मार्ग स्थापित करना है। साल 2007 में एक चीनी टेलीकॉम कंपनी ने एक पाकिस्तानी टेलीकॉम कंपनी का अधिग्रहण कर चाइना मोबाइल पाकिस्तान (सीएमपैक) का गठन किया था। यह चाइना मोबाइल कम्युनिकेशंस कॉर्पोरेशन की 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

बाप रे बाप.....बैंकों में पड़े 78,213 करोड़ रुपए का कोई दावेदार नहीं

आरबीआई की सालाना रिपोर्ट में सामने आया आंकड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर के बैंकों में हजारों करोड़ रुपए यूं ही पड़े हैं। इन हजारों करोड़ रुपए का कोई दावेदार ही नहीं है। एक ताजा आंकड़ों में यह सामने आया कि बैंकों में बिना दावे वाली जमा राशि सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 31 मार्च 2024 के आखिर तक 78,213 करोड़ रुपए हो गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की गुरुवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि मार्च 2023 के आखिर में जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष में राशि 62,225 करोड़ रुपए थी। सहकारी बैंकों सहित सभी बैंक, खाताधारकों की 10 या अधिक वर्षों से उनके खातों में पड़ी हुई दावा न की गई जमाराशियों को आरबीआई के जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता (डीईए) कोष में ट्रांसफर करते हैं।

आरबीआई ने खाताधारकों की सहायता के लिए और निष्क्रिय खातों पर मौजूदा अनुदेशों को समेकित तथा युक्तिसंगत बनाने के मकसद से इस वर्ष की शुरुआत में बैंकों द्वारा अपनाए जाने वाले उपायों पर व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए थे। आरबीआई ने कुछ माह पहले ही कहा था कि करीब 30 बैंक, लोगों को उद्गम पोर्टल के द्वारा बिना दावे वाली जमा राशि/खातों का पता लगाने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। उद्गम यानी बिना दावे वाली जमा के बारे में सूचना तक पहुंचने का एंट्री गेट ऑनलाइन पोर्टल है। यह आरबीआई ने ही तैयार किया है।

दुनिया में सजा-ए-मौत के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, ईरान शीर्ष पर अमेरिका, सऊदी अरब में भी बढ़े केस

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनियाभर में सजा-ए-मौत के मामलों में रिकॉर्ड तोड़ बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने रिपोर्ट में दावा किया है कि साल 2023 में दुनियाभर की विभिन्न सरकारों ने 1153 लोगों को मौत की सजा दी। यह आंकड़ा साल 2022 के मुकाबले 30 फीसदी ज्यादा है। सबसे ज्यादा मौत की सजा मुस्लिम राष्ट्र ईरान में दी गई हैं। ईरानी सरकार ने सालभर में ही 853 लोगों को फंदे पर लटका दिया। इसके अलावा चीन और अमेरिका भी पीछे नहीं हैं। इन दोनों देश में मौत की सजा में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुई है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है कि 2023 में दुनियाभर में कुल 1153 मृत्युदंड दर्ज किए हैं। दर्ज की गई फांसी की सजाओं में वृद्धि मुख्य रूप से ईरान के कारण हुई है। यहां 2023 में करीब 853 लोगों को फांसी दी गई, जबकि 2022 में संख्या 576 थी। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि इस आंकड़े में हजारों मौत की सजाएं शामिल नहीं हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि चीन ने अधिकतर सजा-ए-मौत के मामलों को छिपाया है।

एमनेस्टी ने कहा है कि ईरान में साल 2023 को जिन लोगों को मृत्युदंड दिया गया, उसमें 24 महिलाएं और पांच बच्चे भी शामिल थे। ईरानी अधिकारियों ने सजा-ए-मौत के मामलों में क्रूरता दिखाई है। नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों में भी फांसी की सजा दी गई। ईरान में सबसे ज्यादा फांसी पाने वाले अपराधी गरीब लोग थे। ईरान में मृत्यु दंड के 74 प्रतिशत मामले रिपोर्ट हुए हैं।

संस्था ने कहा कि चीन, ईरान, सऊदी अरब, सोमालिया और अमेरिका 2023 में सबसे अधिक संख्या में फांसी देने वाले पांच देश हैं। एमनेस्टी की वार्षिक रिपोर्ट में 2023 को दर्ज किए गए कुल केस 2015 के बाद सबसे अधिक हैं। 2015 में 1,634 लोगों को फांसी दी गई थी। अमेरिका में मृत्युदंड की दर 18 से बढ़कर 24 हो गई है। वहीं, सजा-ए-मौत के कुल मामलों में 15 फीसदी केस सऊदी अरब के हैं।

पाकिस्तान में सड़क दुर्घटना, 28 लोगों की मौत, 22 घायल

- प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अधिकारियों को घायलों की सहायता के निर्देश दिए

बलूचिस्तान (ईएमएस)। पाकिस्तान में सुदूर बलूचिस्तान प्रांत में एक यात्री बस के सड़क से फिसलकर खड्ड में गिर जाने से महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। तुर्बत से क्वेटा जा रही बस बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा से लगभग 700 किलोमीटर दूर वाशुक शहर के पास गड्ढे में गिर गई। बताया जा रहा है ?कि छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 22 अन्य ने अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ऐसा बताया जा रहा है कि मोड़ पर यात्री बस का एक टायर फट जाने से चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया था। पहले की खबरों में कहा गया था कि दुर्घटना चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई थी। स्थानीय अ?धिकारी ने बताया कि मृतकों में तीन महिलाएं और तीन बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान अभी भी जारी है क्योंकि बस में करीब 50 यात्री सवार थे। हालांकि संख्या ज्यादा भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या और भी बढ़ सकती है क्योंकि कुछ पीड़ितों की हालत गंभीर है। घायलों में से नौ की हालत गंभीर है और उन्हें खुजदार स्थित संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) में भर्ती कराया गया है। पाकिस्तान सेना से अनुरोध किया गया कि वह गंभीर हालत में चार अन्य यात्रियों को हेलीकॉप्टर के जरिए क्वेटा ले जाए ताकि उन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया जा सके। अधिकांश मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायलों की सहायता करने का भी निर्देश दिया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने इस भीषण हादसे में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की तथा घायलों के स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी जलक्षेत्र में दागी कई मिसाइलें : दक्षिण कोरियाई

सियोल (ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर कई संदिग्ध बैलेस्टिक मिसाइल दागीं। दक्षिण कोरियाई सेना ने इसकी जानकारी दी। उत्तर कोरिया ने एक सैन्य टोही उपग्रह प्रक्षेपण में असफल होने के एक दिन बाद कार्रवाई को अंजाम दिया।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि प्योंगयांग के समीप एक इलाके से करीब 10 प्रक्षेपास्त्र दागे, जो कम दूरी की बैलेस्टिक मिसाइल जैसी प्रतीत होती हैं। सेना ने कहा कि इन संदिग्ध मिसाइलों ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट के जलक्षेत्र में गिरने से पहले करीब 350 किलोमीटर की दूरी तय की थी। अधिकारी ने कहा कि द.कोरियाई सेना ने निगरानी व सतर्कता बढ़ा दी है और अमेरिका व जापान के साथ हर जरूरी सूचना साझा की जा रही है। उत्तर कोरिया के इस कदम के मद्देनजर जापान तटरक्षक ने समुद्री परामर्श जारी किया है जहाजों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि संदिग्ध मिसाइलें जापान के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के बाहर जलक्षेत्र में गिरी और किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि तोक्यो उत्तर कोरिया के कदम की कड़े शब्दों में निंदा करता है।

बड़े और छोटे शहरों में वेतन तय करने का कोई पैमाना नहीं

मुंबई (ईएमएस)। कंसल्टेंसी फर्म केपीएमजी ने एक सर्वे किया।सर्वे में यह जानकारी प्राप्त हुई।बड़े शहरों में कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी का वेतन और छोटे शहरों में काम कर रहे कर्मचारियों के वेतन में कोई अंतर नहीं होता है। कंपनी कर्मचारियों के टैलेंट के अनुसार उनका वेतन तय करती है।

सर्वे एजेंसी ने 10 सेक्टर की 40 कंपनियों के बीच में सर्वे किया है। कॉरपोरेट के एचआर प्रमुख से बातचीत की है।

उन्होंने कहा, वेतन का पैकेज तय करते समय नियोक्ता और कर्मचारी दोनों को ही पता होता है। उसे जो पैकेज दिया जा रहा है।

उसकी सारी स्थिति दोनों को ही पता है। कंपनी की पॉलिसी में बड़े एवं छोटे शहरों के लिए काम या ज्यादा वेतनमान के अलग नियम नहीं है।

रेटिंग एजेंसी ने देश के 6 बैंकों की रेटिंग अपग्रेड की

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने भारत के इकोनॉमी ग्रोथ की रेटिंग अपग्रेड करने के साथ ही भारत के 6 बैंकों की रेटिंग को भी अपग्रेड कर दी। एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार भारत के कई बैंकों की रेटिंग भारत के सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग से जुड़ी हुई है। अगर सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में बदलाव होता है तो इसका प्रभाव बैंकिंग सेक्टर पर भी ?दिखाई देता है। देश की अर्थव्यवस्था तय करती है ?कि बैंक का कारोबार पॉजिटिव है या नेगेटिव है। एसएंडपी ग्लोबल एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और इंडियन बैंक की रेटिंग को अपग्रेड किया है। रेटिंग फर्म ने इन बैंक की रेटिंग को ट्रिपल बी माइनस लॉन्ग टर्म और ए 3 शॉर्ट टर्म रेटिंग पर स्थिर रखा है। वहीं इन बैंक की रेटिंग आउटलुक को स्टेबल से पॉजी?टिव कर दिया है। एसएंडपी ग्लोबल ने एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के स्टैंड अलोन क्रेडिट प्रोफाइल को भी अपग्रेड कर दिया है। इन बैंक के स्टैंड अलोन क्रेडिट प्रोफाइल को एक स्टेप ऊपर किया गया है। एसएंडपी ग्लोबल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि बैंकिंग सेक्टर में अगर दबाव आता है तो इससे कर्ज में कमी आ सकती है। ऐसे में कहा जा रहा है कि 31 मार्च 2025 तक यह 3 फीसदी पर आ जाएगी। गौरतलब है कि 31 मार्च 2024 तक ग्रॉस लोन 3.5 फीसदी था। मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर रिस्क मैनेजमेंट और नीतियों को लेकर जो फैसले लिये जाएंगे, ?जिससे ग्रॉस लोन में नरमी आएगी। इससे क्रेडिट कॉस्ट नीचे चला जाएगा जिससे बैंकिंग सेक्टर पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

सोना-चांदी के दाम में आई गिरावट

- सोने के वायदा भाव 72 हजार, चांदी लगभग 95,800 रुपये

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सराफा बाजारों में गुरुवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। चांदी वायदा के भाव बुधवार को सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। गुरुवार को सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 95,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 61 रुपये की गिरावट के साथ 72,132 रुपये के भाव पर खुलकर 202 रुपये की गिरावट के साथ 71,991 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एमएसपी ने उत्पादन लागत पर न्यूनतम मुनाफा सुनिश्चित किया:आरबीआई

मुंबई (ईएमएस)। वित्त वर्ष 2023-24 के खरीफ और रबी दोनों मौसम में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) ने सभी फसलों के लिए उत्पादन लागत पर न्यूनतम 50 प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की गुरुवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि 31 मार्च 2024 तक खाद्यान्नों का समग्र सार्वजनिक भंडारण कुल तिमाही भंडारण मानक का 2.9 गुना था। सरकार ने 29 नवंबर 2023 को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत खाद्यान्न के मुफ्त वितरण की योजना को एक जनवरी 2024 से पांच और वर्षों के लिए बढ़ा दिया था। रिपोर्ट में कहा कि असमान तथा कम दक्षिण-पश्चिम मानसून (एसडब्ल्यूएम) वर्षा के साथ ही अल नीनो की स्थिति के मजबूत होने से कृषि और संबद्ध गतिविधियों को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। समग्र एसडब्ल्यूएम वर्षा 2023 जून-सितंबर में अखिल भारतीय स्तर पर दीर्घावधि औसत (एलपीए) से छह प्रतिशत कम हुई। दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2023-24 में खरीफ और रबी खाद्यान्न का उत्पादन पिछले वर्ष के अंतिम अनुमानों से 1.3 प्रतिशत कम था। रिपोर्ट में कहा गया कि उत्पादकता में वृद्धि से मोटे अनाज के उत्पादन को लाभ हो सकता है। वित्त वर्ष 2023-24 में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में 5.3-10.4 प्रतिशत और रबी फसलों के लिए 2.0-7.1 प्रतिशत की वृद्धि की गई। खरीफ फसलों में मूंग के एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई, जबकि रबी फसलों में मसूर तथा गेहूं के एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि हुई।

अफगानिस्तान की नई सरकार को मान्यता देंगे पुतिन, चीन के बाद रूस ने दिए बड़े संकेत

काबुल(ईएमएस)। अफगानिस्तान का भविष्य क्या होगा इसे लेकर क्षेत्र के देशों और इंटरनेशनल ताकतों के बीच एक आम सहमति थी। अमेरिका, चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान और ईरान समेत अन्य प्रमुख शक्तियों के बीच इस बात पर आम सहमति थी कि तालिबान सरकार को तब तक मान्यता नहीं दी जाएगी, जब तक वह कुछ शर्तों को पूरा नहीं कर लेता। इन शर्तों में समावेशी सरकार बनाना, महिलाओं और मानवाधिकारों का सम्मान करना और अफगान धरती को आतंकी समूहों के इस्तेमाल के लिए इस्तेमाल न होने देना शामिल है।

अब अफगान तालिबान के साथ एक और देश पूर्ण संबंध स्थापित करने के करीब पहुंच गया है। रूस, जिसे कभी अफगान मुजाहिदीन के हाथों हार का सामान करना पड़ा, उसने तालिबान सरकार को मान्यता का संकेत दिया है। पहले कदम के तहत रूसी न्याय और विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति पुतिन से अफगान तालिबान को आतंकी संगठनों की लिस्ट से हटाने की सिफारिश की। रूस ने 2003 में अफगान तालिबान पर प्रतिबंध लगा दिया था। अगर रूस प्रतिबंध हटा लेता है, तो तालिबान सरकार की संभावित मान्यता का रास्ता साफ हो जाएगा।राष्ट्रपति पुतिन ने इस सप्ताह कहा कि अफगान तालिबान एक वास्तविकता है। वहीं रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष ने कहा कि मॉस्को तालिबान सरकार के साथ पूर्ण संबंध स्थापित करने के करीब है। दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि तालिबान अब सत्ता में हैं और हम उनके साथ पूर्ण संबंध स्थापित करने के करीब हैं। मेदवेदेव ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में स्थिति बदल गई है।

तालिबान को एक समय आतंकी माना जाता था, लेकिन अब चीजें अलग हैं। अफगानिस्तान में रूस के विशेष दूत जमीर काबुलोव ने कहा कि सत्ता में आने के बाद तालिबान ने मान्यता पाने की दिशा में एक लंबा सफर तय किया है।

उन्होंने आगे कहा कि अभी भी कुछ बाधाएं हैं, जिन पर काबू पाना बाकी है। बता दे कि पाकिस्तान उन तीन देशों में से एक था, जिसने 1996 से 2001 तक तालिबान के पहले शासन को मान्यता दी थी, लेकिन इस बार वह मान्यता को लेकर अंतरराष्ट्रीय सहमति से जुड़ गया।

वेरिकोज वेन्स बीमारी में दिखने लगती है नसें

लंदन (ईएमएस)। हेल्थ विशेषज्ञ के अनुसार, लंबे समय तक खड़े रहने से वेरिकोज वेन्स नामक बीमारी हो जाती है। इस बीमारी के शिकार होने पर हाथ-पैर से लेकर चेस्ट, बैक और मसल्स की नसें दिखाई देने लगती हैं। ज्यादातर लोग इसे शरीर का परिवर्तन मानकर नजरअंदाज कर जाते हैं, लेकिन ऐसा करना घातक साबित हो सकता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

आइए जानते हैं वेरीकोज वेन्स क्या होता है और इसके क्या लक्षण होते हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शरीर की नसें सामान्य से ज्यादा दिखने की स्थिति को वेरिकोज वेन्स कहते हैं। इस परेशानी में नसों का रंग नीला हो जाता है।

यह बीमारी हाथ, पैर, टखने और पंजों के पास सबसे ज्यादा नजर आती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हमारे पैरों की नसों में 3 से 5 वॉल्व मौजूद होते हैं। इन वॉल्व के माध्यम से ही पैरों का ब्लड शरीर के ऊपरी हिस्से तक पहुंचता है। वहीं, यदि इन वाल्व में किसी तरह की परेशानी आती है तो ब्लड ऊपर नहीं पहुंच पाता है और पैरों की नसों में ही जमा हो जाता है।

नतीजा ये होता है कि, नसें फूल जाती हैं और धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं। वेरिकोज वेन्स त्वचा के अंदर गुच्छा बन जाता है, जो स्पाइडर वेन्स कहलाता है।वेरिकोज वेन्स सामान्य नसों की तुलना में ये ज्यादा उभरी और नीले, बैंगनी रंग की दिखाई देती हैं। जब नसों में सही तरह से ब्लड सर्कुलेशन नहीं हो पाता, तब नसें वेरिकोज वेन्स में बदल जाती हैं।

अमेरिका में दवाओं की किल्लत....मौज कट रहा भारतीय फार्मा सेक्टर

वाशिंगटन (ईएमएस)। कैलेंडर वर्ष 2024 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 22 उपचारों से जुड़ी 323 दवाओं के साथ अमेरिका में दवाओं की कमी हो चुकी है। फार्मा सेक्टर के विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति भारतीय दवा (फार्मा) निर्यातकों के लिए बढ़िया मौका है। जानकार ने कहा कि अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हेल्थ-सिस्टम फार्मासिस्ट्स के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका में सक्रिय दवाओं की कमी कैलेंडर वर्ष 2023 में 300 से 310 दवाओं पर स्थिर हो गई थी लेकिन कैलेंडर वर्ष 24 की पहली तिमाही में ये बढ़कर 323 दवाओं तक पहुंच गई है।

हालांकि विश्लेषक संक्रमणरोधी, हार्मोन, ऑन्कोलॉजी जैसी श्रेणियों की इन 323 दवाओं के बाजार आकार का अनुमान देने में सक्षम नहीं थे, लेकिन अमेरिका को कुल निर्यात साल 2023-24 (वित्त वर्ष 24) में पहले ही तेजी से बढ़ चुका है। मामले से जुड़े एक जानकार ने बताया कि इस कमी ने न सिर्फ अमेरिका में भारतीय दवा निर्यात बढ़ाने में मदद की, बल्कि कुल वृद्धि में भी योगदान दिया है। उन्होंने कहा हमने 15.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8.72 अरब डॉलर का निर्यात किया। भारत से कुल फार्मा निर्यात 9.6 प्रतिशत तक बढ़कर 27.8 अरब डॉलर हो गया।'

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) के विश्लेषकों का मानना है कि इससे न केवल वॉल्यूम वृद्धि की संभावना उपलब्ध होगी बल्कि अगले 12 से 18 महीने में कीमतों में गिरावट को एक अंक तक सीमित किया जा सकेगा, जिससे रिटर्न में सुधार होगा। अमेरिकी जेनेरिक बाजार में कीमतों में यह गिरावट

फायर सेफ्टी बगैर चल रहे मार्केट, कॉम्प्लेक्स, होटल और अस्पतालों को सील करने की कार्यवाही लगातार जारी

सूरत (ईएमएस) राजकोट अग्निकांड के बाद सूरत में एनओसी और फायर सेफ्टी के बगैर चल रहे व्यावसायिक ठिकानों, बैंक, कोचिंग क्लासेस और अस्पतालों के खिलाफ सीलिंग प्रक्रिया लगातार दूसरे भी जारी है सूरत ही नहीं राज्य के अन्य महानगरों में फायर विभाग नियमों का उल्लंघन करनेवाली इकाइयों के खिलाफ कार्यवाही कर रहा है राजकोट के टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड को गुजरात हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार समेत महानगर पालिकाओं को क़ड़ी फटकार लगाई है हाईकोर्ट की सख्ती के बाद सरकार और स्थानीय प्रशासन हरकत में आ गया है और फायर सेफ्टी के बगैर चल व्यावसायिक ठिकानों पर सूरत समेत राज्य के अन्य शहरों में कार्यवाही की जा रही है सूरत महानगर पालिका का फायर विभाग ने ऐसी इकाइयों के खिलाफ तीन दिन से बड़ा अभियान चला रहा है इसके अंतर्गत कल रात से शहर के सभी जोन में फिर एक बार बड़े पैमाने पर सीलिंग की कार्यवाही की गई है जिसमें लिंबायत जोन में कमेला दरवाजा के निकट जेडी टेक्सटाइल मार्केट, सोमेश्वर टेक्सटाइल मार्केट और गत्तों के 6 गोदामों में सील कर दिया गया शहर के वराछा जोन के कुबेरनगर स्थित वन्डरफूल एकेडेमी स्कूल और कतारगाम जोन में डभोली रोड स्थित शिवालिक कॉम्प्लेक्स की 133 दुकानों को सील कर दिया गया कॉम्प्लेक्स स्थित एक अस्पताल, दो होटल और दो कोचिंग क्लासेस को भी सील किए जाने की खबर है शहर के रांदेर जोन में गेलेक्सी सर्कल के निकट ला पेन्टालो फूड कोर्ट, पाल रोड स्थित रेस्टोरंट कोरिडोर और सारस्वत कॉ.ऑ. बैंक को सील किया गया है जबकि उधना जोन में महालक्ष्मी मार्केट स्थित वर्धमान होस्पिटल, पार्क प्रसूति गृह, डॉ. स्पाइन क्लीनिक, वर्धमान मेडिकल स्टोर और कोचिंग क्लासेस समेत 94 दुकानों को सील कर दिया गया इसके अलावा अठवा जोन में रिजियन आर्केड स्थित सीए कोचिंग क्लास, महावीर कॉलेज रोड स्थित बिजनस हब की 205 दुकानों और चार होटलों के साथ ही एक जिम को भी सिल किया गया है शहर के केनाल रोड स्थित हाई स्ट्रीट में तीन कोचिंग क्लासेस और मगदल्ला गांव में राज मंदिर कॉर्नर के खिलाफ भी सीलिंग की कार्यवाही की गई है

फायर सेफ्टी के अभाव में श्रमिकों के लिए कार्यरत ईएसआईसी अस्पताल बंद

भरुच (ईएमएस) राजकोट गेमिंग जोन अग्निकांड के बाद राज्यभर फायर सेफ्टी को लेकर कार्यवाही की जा रही है बगैर फायर सेफ्टी के चल रहे व्यावसायिक ठिकानों, कोचिंग क्लासेस, होटल और अस्पतालों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है इस कड़ी में भरूच जिले में श्रमिकों के लिए कार्यरत ईएसआईसी अस्पताल को फायर सेफ्टी के अभाव में बंद करना पड़ा है। 45 मरीजों को तत्काल प्रभाव से भरूच सिविल अस्पताल में रेफर और डिस्चार्ज कर दिया गया। ईएसआईसी अस्पताल भरूच जिले में औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए एकमात्र अस्पताल है। दक्षिण गुजरात क्षेत्रीय अधिकारी सूरत के आदेश के अनुसार फायर सेफ्टी और फायर सायरन की कमी के कारण इस अस्पताल को तुरंत बंद करने का निर्णय लिया गया है। जिसके चलते अस्पताल के 45 मरीजों में से पांच आईसीयू मरीजों को भरूच सिविल अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है वहीं, बाकी मरीजों को दवा दी गई है और आगे के इलाज के लिए श्रमिक बीमा निगम से संबद्ध अस्पताल में जाने को कहा गया है। अस्पताल के बंद होने से अब श्रमिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा गौरतलब है कि 100 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन 13 फरवरी 2017 को तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और केंद्रीय श्रम राज्य मंत्री बंडारू दत्तात्रेय की उपस्थिति में किया गया था।

भ्रष्टाचार के फाइबर ऑप्टिक के कारण गुजरात और गुजरातियों को लूटा जा रहा है : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) गांव से गांधीनगर तक, शहर से सचिवालय तक, भ्रष्टाचार के फाइबर ऑप्टिक के कारण गुजरात और गुजरातियों को लूटा जा रहा है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया संयोजक और प्रवक्ता मनीष दोशी ने भाजपा शासकों की घोटालों की उपलब्ध पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि राज्यसभा सांसद रामभाई मोकारिया ने फायर एनओसी मामले में 70 हजार की रिश्वत देने की बात खुद सार्वजनिक रूप से कबूल की है। मौजूदा भाजपा सांसद ने खुद कहा था कि उन्होंने उस वक्त 70 हजार रुपये रिश्वत देकर फायर एनओसी हासिल की थी बिगैर रिश्वत दिए आम लोगों का काम नहीं होता। भाजपा के विकास मॉडल के केंद्र में भ्रष्टाचार है।

प्रत्येक विभाग में प्रत्येक कार्य के लिए एक स्पेशल रेड कार्ड है। भाजपा ने निगम के प्लान को मंजूर करने के लिए, बी.यू अनुमति, फायर एनओसी, प्रत्येक विभाग की निर्धारित मूल्य सूची सहित हर विभाग की मंजूरी में भ्रष्टाचार किया है। राज्य में आवास, शहरी विकास, शिक्षा, राजस्व, खाद्य नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य, पंचायत समेत हर विभाग में व्यापक भ्रष्टाचार का शिकार आम नागरिक हो रहे हैं भाजपा शासकों ने हर ठेके, टेंडर, सरकारी भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी की एक विशेष व्यवस्था बना दी है। भाजपा के राज्यसभा सांसद रामभाई मोकारिया ने कहा है कि उन्होंने खुद अपनी संपत्ति के लिए फायर ऑफिसर थेबा को 70,000 रुपये की रिश्वत दी थी यह सार्वजनिक मीडिया में स्पष्ट बुद्धिमता के साथ बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से दिया गया उनका कबूलनामा है। रिश्वत अधिनियम में रिश्वत लेने और देने वाले दोनों को अपराधी माना जाता है ऐसे में पुलिस को अब इस मामले की विस्तृत जांच करनी चाहिए भाजपा नेता के बयान से स्पष्ट हो गया है कि आम आदमी की हालत क्या है राजकोट, सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा और अन्य शहरों में समान सत्ता का आनंद लेने वाले भाजपा शासकों ने सुनियोजित लूट का एक मॉडल बनाया है क्या भाजपा शासक तथाकथित सुशासन की जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे? पूरे राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण एक के बाद एक त्रासदी हो रही है जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गयी है। सूरत की तक्षशिला घटना, वडोदरा की हरणी नाव घटना, मोरबी की झूलता पुल घटना और राजकोट के टीआरपी गेम ज़ोन सभी में निर्दोष नागरिकों विशेषकर बच्चों की मौत हुई है। इन सभी घटनाओं के लिए भाजपा शासन का भ्रष्ट मॉडल जिम्मेदार है। भाजपा द्वारा शायद ऐसी भ्रष्ट व्यवस्था को विकास मॉडल बताने की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री कब स्वीकार करेंगे?

राज्य में कक्षा 10 व 12 की पूरक परीक्षा की तारीखों का ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में कक्षा-10 और कक्षा-12 की पूरक परीक्षा को लेकर एक अहम अपडेट सामने आया है। गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने पूरक परीक्षा की तारीखों का आज ऐलान कर दिया जिसके मुताबिक कक्षा 10 की पूरी परीक्षा 24 जून से 4 जुलाई के दौरान ली जाएगी जबकि कक्षा 12 विज्ञान संकाय की परीक्षा 24 जून से 3 जुलाई तक और कक्षा 12 सामान्य संकाय की परीक्षा 24 जून को शुरू होकर 6 जुलाई तक चलेगी इस परीक्षा का पाठयक्रम बोर्ड की वेबसाइट ुं.दु पर उपलब्ध है।

राजकोट अग्निकांड : 27 लोगों की डीएनए मिलान से की गई पहचान, जानें मृतकों के नाम

अहमदाबाद (ईएमएस) राजकोट के टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड में 27 लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि करते हुए मृतकों के नाम की सूची जारी की गई है राज्य के राहत आयुक्त ने बताया कि अग्निकांड का शिकार 27 लोगों की डीएनए मिलान से पहचान की गई है अग्निकांड के मृतकों में जिग्नेश कालुभाई गढ़वी (34), स्मित मनीषभाई वाळा (22), सत्यपालसिंह छत्रपालसिंह जाडेजा (21), सुनील हसमुखभाई सिद्धपुरा (30), आशा चंदुभाई काथड़ (19), हिमांशु दयालजी परमार (20), ओमदेवसिंह गजेन्द्रसिंह गोहिल (36), विश्वराजसिंह जशुभाई जाडेजा (24), सुरपालसिंह अनिरुद्धसिंह जाडेजा (22), नमदीपसिंह जयपालसिंह जाडेजा (19), जयंत अनिलभाई घोरेचा (45), धर्मराजसिंह वीरेन्द्रसिंह जाडेजा (12), वीरेन्द्रसिंह निर्मलसिंह जाड़ेजा (40) देवांशी (देवश्री) हितेन्द्रसिंह जाडेजा (12), राजभा प्रदीपसिंह चौहाण (15), निरव रसिकभाई वेकरिया (20), शुत्रघ्नसिंह शक्तिसिंह चूडास्मा (25), विवेक अशोकभी दुसारा (28), टीशा अशोकभाई मोडासिया (24), कल्पेश प्रवीणभाई बगड़ा (22), ख्याति रतिभाई सावलिया (28), खुशाली विवेकभाई दुसारा (24), हरिता रतिभाई सावलिया (25), मितेश बाबुभाई जादव (30), प्रकाशचंद कन्हैयालाल हिरण (45), मोनु केशव गौंड (21) और अक्षय किशोरभाई ढोलरिया (28) शामिल हैं

डीजे में उतरा करंट, हादसे में दूल्हे की बहन की मौत

मिनी ट्रक में लगे डीजे की ऊंचाई अधिक होने के कारण उसे करंट लग गया

दाहोद, ३० मई।

गुजरात में दाहोद जिले के फतेपुरा तालुका के नवा गांव से राजस्थान जा रहे बाराती को आनंदपुरी के पास हाईवे पर डीजे का करंट लग गया। इस दौरान हादसे में दूल्हे की बहन की भी घटना स्थल पर मौत हो गई। फतेपुरा तालुका के नवा गांव से बारात लेकर राजस्थान गए बाराती आनंदपुरी हाईवे से गुजर रहे थे। जिसके बाद ये हादसा हुआ।

गुजरात में दाहोद जिले के फतेपुरा तालुका के नवा गांव से राजस्थान जा रहे बाराती को आनंदपुरी के पास हाईवे पर डीजे का करंट लग गया। इस दौरान हादसे में दूल्हे की बहन की भी घटना स्थल पर मौत हो गई।

इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक, फतेपुरा तालुका के नवा गांव से बारात लेकर राजस्थान गए बाराती आनंदपुरी हाईवे से गुजर रहे थे। इसी दौरान ऊ पर से गुजर रही ११ केवी बिजली लाइन के संपर्क में आने से बस का डीजे करंट की चपेट में आ गया।

जिसके कारण दक्षाबेन गौरवभाई महिदा (३०), गौरवभाई लालसिंहभाई महिदा (३२), सामलीबेन मानसिंहभाई (५०), लक्ष्मीबेन कालोराम (३५), गणपतभाई लालसिंहभाई (२८), आशाबेन रमेशभाई (३२), कैलाशबेन प्रवीणभाई (२५) की मौत हो गई।

घायलों में से दक्षाबेन महिदा की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य घायलों को आनंदपुरी सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। जिनमें से ३ की हालत गंभीर है और उन्हें बांसवाड़ा रेफर किया गया है। प्रारंभिक जांच में जिस स्थान पर डीजे हाईटेंशन तार के संपर्क में आया, वहां नई सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इसलिए सड़क पर कीचड़ अधिक था और बिजली के तार भी झूल रहे थे, जिससे मिनी ट्रक में लगे डीजे की ऊंचाई अधिक होने के कारण उसे करंट लग गया। दरअसल, हादसा स्थल पर सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। यहां पूर्व निर्मित सड़क पर भराव कर नई सड़क बनाई जा रही है। इस कारण सड़क करीब ४ फीट तक ऊंची हो गई।

वहीं, विद्युत तार पहले से ही झूल रहे थे। इस कारण डीजे वाहन तार के संपर्क में आ गया, जिससे हादसा हुआ। बिना सुरक्षित बाइपास दिए यहां सड़क निर्माण कार्य किए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं झूलते तार भी निगम की कार्यशैली को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।

बीजेपी सांसद का राजकोट हादसे में बड़ा दावा

अधिकारी ३०० करोड़ के मालिक... एनओसी के लिए देनी पड़ी थी ७० हजार की रिश्वत

अहमदाबाद, ३० मई।

गुजरात भाजपा के राज्यसभा सदस्य रामभाई मोकरिया ने राजकोट गेमिंग जोन अग्निकांड की जांच के बीच यह कहकर सबको चौंका दिया कि राजकोट महानगर पालिका के भ्रष्ट अधिकारी दो सौ से तीन सौ करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं फायर अधिकारी भी हजारों की रिश्वत लेकर एनओसी देते हैं। राजकोट के टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड में १२ बच्चों समेत २८ लोगों की दर्दनाक मौत के बाद जहां उच्चस्तरीय जांच चल रही है वहीं भाजपा के ही राज्यसभा सदस्य रामभाई मोकरिया ने राजकोट महानगर पालिका, राजकोट फायर विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार में डूबे होने तथा रिश्वत लेकर अनापत्ति प्रमाण पत्र एनओसी देने का आरोप लगाया।

सांसद ने बताया कि करीब ५ साल पहले उनके करीबी को फायर विभाग से एनओसी की जरुरत थी, राजकोट फायर अधिकारी भीखाभाई ठेबा को ७० हजार रुपये देने के बाद ही वह मिल सकी। मोकरिया ने कहा कि राजकोट महानगर पालिका के अधिकारी दस-दस साल से जमे हैं और भ्रष्टाचार के जरिए २ सौ से तीन सौ करोड़ रुपये की संपत्तियों के मालिक बन बैठे हैं। मोकरिया ने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार व पुलिस को भी इस संबंध में शिकायत की है और अपने स्तर पर हर समय जनसमस्याओं को उठाते रहे हैं।

सांसद मोकरिया का दावा है कि राजकोट के बिल्डर एसोसिएशन को आए दिन इनके भ्रष्टाचार को सहना पड़ता है। सरकारी अधिकारी बेरोकटोक जमकर भ्रष्टाचार में डूबे हैं, उनके सांसद होने के बावजूद उनके करीबी को रिश्वत देने के बाद ही एनओसी मिल सकी तो आम आदमी के साथ ये अधिकारी किसी तरह पेश आते होंगे। रामभाई का कहना है कि गेमिंग जोन हादसे के बाद से वे पीड़ितों की मदद के लिए सक्रिय हैं, मृतकों के परिजनों को अधिक मुआवजा मिलना चाहिए साथ ही भ्रष्ट अधिकारियों पर भी अंकुश लगाया जाना चाहिए।

गुजरात के इन जिलों में धूलभरी आंधी चलने का पूर्वानुमान, 30 किमी रफ्तार से चलेगी हवा

अहमदाबाद (ईएमएस) रेमल चक्रवात के कारण देशभर के वातावरण में बड़ा बदलाव हुआ है और इसका असर गुजरात में दिखने लगा है मौसम विभाग ने गुजरात के 4 जिलों में धूलभरी आंधी का पूर्वानुमान व्यक्त किया है आगामी 3 दिन बनासकांठा, पाटण, सुरेन्द्रनगर और कच्छ में धूलभरी आंधी चलने की संभावना है जिसमें 30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलेगी धूलभरी आंधी के चलते विजिबिलिटी घटेगी मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में अगले 5 दिन मौसम सूखा रहेगा और दक्षिण पश्चिम की हवा चलने से गर्मी में आंशिक कमी आएगी अरब सागर की ओर से आ रही हवा में नमी का प्रमाण बढ़ा है, जिसकी वजह से हवा की गति 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है फिलहाल गुजरात में भीषण गर्मी हो रही है और लोग बेसब्री से बारिश की प्रतीक्षा कर रहे हैं ऐसे में चौंकाने वाली खबर यह है कि मई से अधिक जून में हिटवेव की संभावना है जून महीने में गुजरात, राजस्थान समेत मध्य प्रदेश में सबसे अधिक गर्मी होगी आमतौर पर जून महीने में तीन दिन हिटवेव रहता है, लेकिन इस बार 6 दिन हिटवेव की संभावना है इतना ही नहीं जून महीने में रात का तापमान अधिक रहने से गर्मी का अहसास होगा मौसम विभाग के मुताबिक बारिश की संभावना के चलते आगामी 3 से 4 दिन राज्य में गर्मी में आशिंक कमी आने की संभावना है लेकिन उसके बाद फिर एक बार गर्मी कहर बरपाएगी

टीआरपी अग्निकांड मामले में बड़ी कार्यवाही, पुलिस ने 4 अधिकारियों को किया गिरफ्तार

राजकोट (ईएमएस) शहर के टीआरपी अग्निकांड मामले में क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्यवाही करते हुए राजकोट महानगर पालिका के चार अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया अग्निकांड मामले में चार अधिकारियों की गिरफ्तारी से हड़कंप मच गया है जानकारी के मुताबिक पुलिस ने राजकोट महानगर पालिका के टीपीओ एमडी सागठिया, एटीपीओ गौतम जोशी, एटीपीओ मुकेश मकावाणा के अलावा राजकोट फायर स्टेशन के ऑफीस रोहित विगोरा को गिरफ्तार किया है बता दें कि राजकोट के टीआरपी अग्निकांड 28 निर्दोष लोगों को लील गया था सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है और आज राजकोट शहर के तत्कालीन पुलिस आयुक्त राजु भार्गव और महानगर पालिका के तत्कालीन आयुक्त आनंद पटेल से पूछताछ की गई है एसआईटी मुखिया सुभाष त्रिवेदी पहले ही संकेत दे चुके हैं राजकोट अग्निकांड के लिए जो भी जिम्मेदार होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी वह चाहे आईएएस अधिकारी हो या आईपीएस अधिकारी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा

गुजरात में १८ अवैध गेमिंग जोन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई

राजकोट में आठ, अहमदाबाद में चार और सूरत में छह को किया सील

अहमदाबाद, ३० मई।

गुजरात के राजकोट गेमिंग जोन में आग लगने की घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। उसने १८ ऐसे गेमिंग जोन मालिकों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है जो जरूरी प्रशासनिक अनुमति के बिना ही संचालित थे। राजकोट में एक वाटर पार्क सहित आठ गेमिंग जोन को सील किया गया। अहमदाबाद में पुलिस ने चार अवैध गेमिंग जोन को सील किया है। गुजरात के राजकोट गेमिंग जोन में आग लगने की घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। उसने १८ ऐसे गेमिंग जोन मालिकों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है, जो जरूरी प्रशासनिक अनुमति के बिना ही संचालित थे। राजकोट में एक वाटर पार्क सहित आठ गेमिंग जोन को सील किया गया।

अहमदाबाद में पुलिस ने चार अवैध गेमिंग जोन को सील किया है। इसी तरह से सूरत के विभिन्न क्षेत्रों में छह गेमिंग जोन को सील किया गया। इस मामले की जांच के लिए गठित एसआइटी प्रमुख सुभाष त्रिवेदी ने कहा है कि यदि जरूरत पड़ी तो वरिष्ठ आइएएस और आइपीएस अधिकारियों से भी पूछताछ की जाएगी। इसकी अनुमति मिल गई है। कहा कि हमें राजकोट नगर निगम, अग्निशमन विभाग, पुलिस और बिजली विभाग से जुड़े अधिकारियों की भूमिका की जांच करने और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

त्रिवेदी के अनुसार, राजकोट गेमिंग जोन संचालकों ने अपने परिसर में ३० लीटर से अधिक पेट्रोल का भंडारण किया था। इसलिए, एफआइआर में संबंधित धाराएं जोड़ी जाएंगी। बिना मंजूरी लिए ही भूमि के एक टुकड़े पर गेमिंग जोन को खड़ा किया गया था। इस हादसे में मारे गए सभी लोगों के डीएनए का उनके रिश्तेदारों से मिलान कर लिया गया है। शवों को स्वजन को सौंप दिया गया है। इस बीच, गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने गांधीनगर में एसआइटी के सदस्यों के साथ बैठक कर जांच की प्रगति की समीक्षा की। राजकोट गेमिंग जोन में विगत सप्ताह आग लगने से इसके मुख्य मालिक सहित ३६ लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं। गुजरात पुलिस ने राजकोट स्थित टीआरपी गेदमग जोन के एक और साझेदार को गिरफ्तार किया है। राजकोट के पुलिस उपायुक्त (अपराध) पार्थराज सिंह गोहिल ने बताया कि गेदमग जोन संचालित करने वाली रेसवे एंटरप्राइजेज के पार्टनर किरीट दसह जडेजा को राजकोट-कलावड रोड से गिरफ्तार किया गया। जडेजा टीआरपी गेदमग जोन के छह साझेदारों में से एक हैं।

पुलिस ने इससे पहले युवराज सिंह सोलंकी, शहुल राठौड़, धवल ठक्कर (सभी गेम जोन पार्टनर्स) और इसके प्रबंधक नितिन जैन को गिरफ्तार किया था। जबकि, एक मुख्य साझेदार की आग लगने के दौरान ही मौत हो गई। डीएनए जांच से उनकी मौत की पुष्टि हो गई है। पुलिस ने उन्हें भी आरोपित बनाया था।

जिसके चलते अस्पताल के 45 मरीजों में से पांच आईसीयू मरीजों को भरूच सिविल अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है वहीं, बाकी मरीजों को दवा दी गई है और आगे के इलाज के लिए श्रमिक बीमा निगम से संबद्ध अस्पताल में जाने को कहा गया है। गौरतलब है कि 100 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन 13 फरवरी 2017 को तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और केंद्रीय श्रम राज्य मंत्री बंडारू दत्तात्रेय की उपस्थिति में किया गया था।

राजकोट की एक अदालत ने बुधवार को टीआरपी गेदमग जोन अग्निकांड की जांच कर रही एसआइटी से स्थानांतरित किए गए आइपीएस और आइएएस अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामले न दर्ज करने को लेकर रिपोर्ट मांगी है।

आईपीएस, आईएएस अधिकारियों को आरोपी बनाने की याचिका पर एसआईटी को नोटिस

एसआईटी को नोटिस जारी कर सभी अधिकारियों के खिलाफ चल रही जांच की स्थिति रिपोर्ट २० जून तक मांगी

राजकोट, ३० मई।

राजकोट में स्थित टीआरपी गेम जोन में लगी भीषण आग के कारण २७ लोगों ने अपनी जान गवां दी। वहीं अब इस मामले में राजकोट की एक अदालत ने एसआईटी से उस याचिका पर रिपोर्ट मांगी है जिसमें इस त्रासदी के बाद स्थानांतरित किए गए आईपीएस और आईएएस अधिकारियों तथा निलंबित किए गए अन्य अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की गई है।

गुजरात के राजकोट की एक अदालत ने टीआरपी गेम जोन अग्निकांड की जांच कर रही एसआईटी से उस याचिका पर रिपोर्ट मांगी है जिसमें इस त्रासदी के बाद स्थानांतरित किए गए आईपीएस और आईएएस अधिकारियों तथा निलंबित किए गए अन्य अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की गई है।

'आपराधिक जांच याचिका' में तत्कालीन राजकोट पुलिस आयुक्त राजू भार्गव, नगर आयुक्त आनंद पटेल और दो आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने की मांग की गई थी, जिनका तबादला कर दिया गया था और २५ मई की घटना के बाद नौ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था, जिसमें २७ लोगों की जान चली गई थी।

याचिकाकर्ता विनेश छाया के वकील राजेश जालू ने बताया कि अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट बी पी ठाकर ने बुधवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) को नोटिस जारी कर सभी अधिकारियों के खिलाफ चल रही जांच की स्थिति रिपोर्ट २० जून तक मांगी है। याचिका में तर्क दिया गया कि जिन आधारों पर इन अधिकारियों को स्थानांतरित या निलंबित किया गया, वे प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पर्याप्त थे।

याचिकाकर्ता ने इन अधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं ३०४ (गैर इरादतन हत्या), ३३७ (किसी व्यक्ति को जल्दबाजी या लापरवाही से कार्य करके चोट पहुंचाना, जिससे मानव जीवन या दूसरों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाए) और ३३८ (किसी व्यक्तिको गंभीर चोट पहुंचाना, जिससे उसका जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में पड़ जाए) के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की। याचिका में कहा गया है कि इस मौजूदा शिकायत को दायर करने का कारण यह भी है कि २७ लोगों की मौत हो गई है और अन्य लोग अपने कर्तव्यों में लापरवाही के कारण घायल हो गए हैं। याचिका में कहा गया है कि टीआरपी गेम जोन पिछले तीन-चार वर्षों से बिना किसी अनुमति या लाइसेंस के चल रहा था।

भार्गव के अलावा, राजकोट के तत्कालीन पुलिस उपायुक्त सुधीर कुमार देसाई और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (एसीपी) विधि चौधरी के साथ-साथ तत्कालीन नगर आयुक्त आनंद पटेल को भी घटना के दो दिन बाद स्थानांतरित कर दिया गया था और पदस्थापन के लिए प्रतीक्षा में रखा गया था। निलंबित किए गए नगर निगम अधिकारियों में मुख्य अग्निशमन अधिकारी इलेश खेर, उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी भीखाभाई थेबा, सहायक अभियंता जयदीप चौधरी, सहायक नगर नियोजक गौतम जोशी, अग्निशमन केंद्र अधिकारी रहित विगोरा, सड़क एवं भवन विभाग के उप कार्यकारी अभियंता एम आर सुमा, तत्कालीन सहायक अभियंता पारस कोठिया तथा पुलिस निरीक्षक वी आर पटेल और एन आई राठौड़ शामिल हैं। संबंधित घटनाक्रम में, अदालत ने अग्निकांड मामले में गिरफ्तार पांचवें आरोपी किरीटसिंह जडेजा को आठ दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया।

गुजरात में हीट स्ट्रोक के १५० मरीजों में से अहमदाबाद के ६५

अहमदाबाद, ३० मई।

राज्य में गर्मी का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले एक सप्ताह में हीट स्ट्रोक के सामने आए लगभग १५० मरीजों में से अहमदाबाद के सबसे अधिक ६५ हैं।

राज्य में पिछले कुछ दिनों से अहमदाबाद का तापमान सबसे अधिक दर्ज किया जा रहा है। इमरजेंसी १०८ एम्बुलेंस के आंकड़ों के आधार पर देखा जाए तो पिछले एक सप्ताह में गर्मी संबंधी १३९८ मरीजों को इमरजेंसी में संबंधित अस्पतालों तक पहुंचाया गया। आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को राज्य में गर्मी संबंधी १०३ इमरजेंसी सामने आई थीं, इनमें से हीट स्ट्रोक की ही १५ हैं। जबकि सोमवार को सामने आई कुल १६२ इमरजेंसी में से २३ हीटस्ट्रोक की हैं। गत रविवार को १६८ में से १८, २५ मई को १७२ में से २४ और २४ मई को २३० में से सबसे अधिक २८ इमरजेंसी हीट स्ट्रोक की दर्ज हुई थीं। सप्ताह में कुल गर्मी संबंधी इमरजेंसी में से सबसे अधिक १०५२ तेज बुखार के कारण उत्पन्न हुई थीं। हीट स्ट्रोक की १५० व पेटदर्द, उल्टी-दस्त की १०१ इमरजेंसी सामने आई थीं। एम्बुलेंस १०८ सेवा के आंकड़ों के अनुसार राज्य में सबसे अधिक गर्मी संबंधित इमरजेंसी अहमदाबाद की हैं। एक सप्ताह दर्ज ४८६ मरीजों में से सबसे अधिक ३५० मामले तेज बुखार के हैं। दूसरे नंबर पर हीट स्ट्रोक के ६५, पेटदर्द, उल्टी-दस्त के ३२ तथा ३९ अन्य हैं।

मुंबई मण्डल के विरार-वैतरणा सेक्शन के बीच ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें रेगुलेट रहेगी

पश्चिम रेलवे मुंबई मण्डल के विरार-वैतरणा सेक्शन के बीच पुल संख्या 90 पर स्टील गर्डर को पीएससी स्लैब द्वारा बदलने हेतु 01/02 जून, 2024 की मध्यरात्रि को 00.20 बजे से 06.20 बजे तक ब्लॉक लिया जाएगा। इस ब्लॉक के कारण अहमदाबाद मण्डल से आने/जाने वाली कुछ ट्रेनें रेगुलेट की जाएंगी। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

रेगुलेट होने वाली ट्रेनें:

01 जून, 2024 की ट्रेन संख्या 22928 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस लोक शक्ति एक्सप्रेस को 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

01 जून, 2024 की ट्रेन संख्या 19218 वेरावल-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

01 जून, 2024 की ट्रेन संख्या 22904 भुज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एसी एक्सप्रेस को 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

01 जून, 2024 की ट्रेन संख्या 12902 अहमदाबाद-दादर गुजरात मेल को 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

01 जून, 2024 की ट्रेन संख्या 22946 ओखा-मुंबई सेंट्रल सौराष्ट्र मेल को 50 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

01 जून, 2024 की ट्रेन संख्या 11087 वेरावल-पुणे एक्सप्रेस को 50 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

31 मई, 2024 की ट्रेन संख्या 14701 श्री गंगानगर-बांद्रा टर्मिनस अरावली एक्सप्रेस को 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

02 जून, 2024 की ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस को 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

02 जून, 2024 की ट्रेन संख्या 22921 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस को 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखकर यात्रा करें।

पश्चिम रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना

एसी 25 केवी ट्रैक्टर का परिचय

'सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए चेतावनी'

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के अंतर्गत उल्लिखित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज़ी दिनांक 06.06.2024 को या उसके बाद एसी ओवरहेड ट्रैक्शन तारों को ऊर्जीकृत किया जाएगा, दिनांक 06.06.2024 से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय सक्रिय माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइनों के करीब नहीं आएगा या काम नहीं करेगा।

अनुभाग	दिनांक
नई दोहरीकरण बी.जी. पर 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन। पश्चिम रेलवे के वडोदरा डिवीजन में एएनएनडी-जीडीए खंड के दोहरीकरण के संबंध में ओडी (किमी 17/07 सीएचः 182.80) से थसरा स्टेशन (किमी 39/11 सीएचः260.30) के बीच लाइन।	06.06.2024 को या उसके बाद

जनता की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि ओडी (किमी 17/07 सीएचः 182.80) से थसरा स्टेशन (किमी 39/) के बीच नई दोहरीकरण बीजी लाइन पर 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन खंड पर 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन की शुरूआत के संबंध में। 11 सीएचः260.30) पश्चिम रेलवे के वडोदरा डिवीजन में एएनएनडी-जीडीए खंड के दोहरीकरण के संबंध में, अत्यधिक भार को रोकने की दृष्टि से सड़क स्तर से 4.78 मीटर ऊपर स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई वाले सभी लेवल क्रॉसिंग पर ऊंचाई गेज लगाए गए हैं। लाइव ट्रैक्शन वायर (संपर्क तार) के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता से ऊंचाई, जो लेवल क्रॉसिंग पर रेल स्तर से कम से कम 5.5 मीटर की ऊंचाई पर होगी। इसके द्वारा जनता को ध्यान दिया जाता है कि वे वाहनों को लोड करने के उद्देश्य से ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहनों में ले जाया गया भार किसी भी परिस्थिति में ऊंचाई गेज का उल्लंघन नहीं करता है। अत्यधिक ऊंचाई के भार के खत